

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र



अमरोहा पुलिस ने लगभग 51 लाख रूपए के 243 गुम मोबाइल बरामद पेज: 3

बैचलर पार्टी डी यू स मेंपेरिस लक्ष्मी की एंट्री पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 212 | शुक्रवार 06 नवंबर 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

मोटा भाई नहीं संभल रहा केंद्रीय गृहमंत्रालय... इस्तीफा क्यों नहीं दे देते

● कांग्रेस नेता पवन खेड़ा का तंज



नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर देश की आंतरिक सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर के हालात का हवाला देकर केंद्रीय मंत्री शाह के नेतृत्व पर सवाल उठाए और कहा कि यदि गृह मंत्रालय नहीं संभल रहा है, उन्हें पद छोड़ देना चाहिए। कांग्रेस नेता खेड़ा ने अपने बयान में तंज कसते हुए कहा कि सात वर्षों में घुसपैठ का मुद्दा हल नहीं हुआ और तीन साल से मणिपुर में स्थिति सामान्य नहीं हुई है। अब अरुणाचल प्रदेश से जुड़े घटनाक्रम भी मोदी सरकार के लिए चुनौती बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुलवामा और पहलगाम जैसे आतंकी हमलों के अलावा दिल्ली में लाल किले के पास धमाके की घटना तथा दिल्ली के नजदीक 300 किलोग्राम आरडीएक्स मिलने जैसे मामलों पर भी केंद्र सरकार को जवाब देना चाहिए। कांग्रेस राज्य सभा सांसद खेड़ा ने शाह को निशाने पर लेकर कहा कि उन्हें गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी छोड़कर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की भूमिका पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन पर भी तंज कसते हुए कहा कि उन्हें भी स्वतंत्र रूप से काम करने का मौका मिलना चाहिए। कांग्रेस नेता का बयान तब आया है, जब भाजपा और कांग्रेस के बीच कई राजनीतिक मुद्दों को लेकर टकराव बढ़ा हुआ है। कांग्रेस चुनावी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर केंद्र सरकार पर लगातार हमले कर रही है। विपक्षी गठबंधन इंडिया ने हाल ही में रामलीला मैदान में रैली कर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी उठाई थी। दूसरी ओर, भाजपा ने विपक्ष के आरोपों का जवाब देने के लिए 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान शुरू किया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता विभिन्न राज्यों में जनसभाएं और पदयात्राएं कर रहे हैं।

राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर की मांग इलाहाबाद हाईकोर्ट ने की खारिज

प्रयागराज, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस के राहुल गांधी को सिख समुदाय पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अमेरिका दौरे के दौरान सिख समुदाय को लेकर दिए गए उनके कथित बयान के मामले में एफआईआर दर्ज कराने की मांग वाली याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति विक्रम डी. चौहान की एकल पीठ ने यह फैसला सुनाया। राहुल गांधी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने की मांग को लेकर नागेश्वर मिश्रा और अन्य की ओर से याचिका दाखिल की गई थी। याचिकाकर्ताओं ने सिख समुदाय के बारे में कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग की थी। इससे पहले वाराणसी की ट्रायल कोर्ट ने भी इस संबंध में दाखिल अर्जी खारिज कर दी थी। ट्रायल कोर्ट के फैसले को याचिकाकर्ताओं ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब अदालत ने याचिका खारिज करते हुए राहुल गांधी को बड़ी राहत दी है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता सत्येंद्र कुमार त्रिपाठी के मुताबिक, राहुल गांधी ने सितंबर 2024 में अमेरिका यात्रा के दौरान सिख समुदाय की धार्मिक स्वतंत्रता को लेकर टिप्पणी की थी। आरोप है कि उन्होंने कहा था कि भारत में सिखों को कड़ा पहनने, पगड़ी बांधने और गुरुद्वारे जाने की आजादी को लेकर स्थिति चिंताजनक है।

मेट्रो विस्तार ने बदली शहरी भारत की तस्वीर, 2014 में 5 शहरों से बढ़कर 26 शहरों तक पहुंचा नेटवर्क : पीएम मोदी



नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को शहरी भारत के परिवहन ढांचे में हुए अभूतपूर्व बदलाव पर प्रकाश डाला। एक्स पर साझा किए गए अपने पोस्ट में उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 में देश में महज पांच शहरों में कुल 248 किलोमीटर लंबा मेट्रो नेटवर्क था। आज यह आंकड़ा लगभग 1,200 किलोमीटर तक पहुंच चुका है और 26 शहरों को जोड़ रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि अगर मेट्रो विस्तार की रफ्तार 2014 से पहले जैसी ही रहती, तो पुणे जैसे शहरों को मेट्रो सेवा के लिए सालों नहीं बल्कि दशकों तक इंतजार करना पड़ता। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह स्थिति स्वीकार्य नहीं थी, इसलिए शहरी परिवहन के विस्तार को नई गति दी गई। ट्रैफिक से मुक्ति, परिवार के साथ ज्यादा समय और बेहतर उत्पादकता प्रधानमंत्री मोदी ने मेट्रो के प्रभाव को सिर्फ आंकड़ों तक सीमित नहीं बताया। उन्होंने लिखा, मैं आपसे पूछता हूं अगर भारत का मेट्रो नेटवर्क 2014 से पहले की रफ्तार से बढ़ता रहता, तो पुणे जैसे शहरों में मेट्रो आने में कितना समय लगता? सालों नहीं शायद दशकों। और यह बात बिल्कुल अस्वीकार्य थी। 2014 में, भारत में सिर्फ 5 शहरों में 248 किलोमीटर मेट्रो लाइनें थीं। आज, हमारे पास 26 शहरों में लगभग 1,200 किलोमीटर मेट्रो लाइनें हैं। प्रतिदिन 1 करोड़ से अधिक लोग मेट्रो से यात्रा करते हैं। इसका प्रभाव सिर्फ आंकड़ों या संख्याओं तक सीमित नहीं है। इसका मतलब है ट्रैफिक में कम समय, परिवार के साथ अधिक समय, बेहतर उत्पादकता और बेहतर अवसर। शहरी भारत के लिए हम इसी बदलाव की दिशा में काम कर रहे हैं! पुणे मेट्रो पिंक लाइन: महिला ऑपरेटर और सौर ऊर्जा से जुड़ी अनूठी पहल पीएम मोदी ने 2 नवंबर को अपनी एक अन्य पोस्ट में पुणे मेट्रो की नई पिंक लाइन (लाइन-3) का जिक्र करते हुए कहा कि करीब 23 किलोमीटर लंबी यह लाइन हिंजेवाड़ी के आईटी हब को शिवाजीनगर से जोड़ेगी। इससे लाखों यात्रियों को फायदा होगा। इस परियोजना की खास बात यह है कि इसे पूरी तरह महिला ट्रेन ऑपरेटरों द्वारा संचालित किया जाएगा। साथ ही लगभग 30 प्रतिशत बिजली की जरूरत सौर ऊर्जा से पूरी करने की योजना है, जिससे यह पर्यावरण-अनुकूल मॉडल बनेगा। 21,800 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास आधिकारिक बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री ने 2 नवंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पुणे मेट्रो से जुड़ी करीब 21,800 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इनमें 8,300 करोड़ रुपये की लागत वाली पुणे मेट्रो लाइन-3 (पिंक लाइन) शामिल है, जो आधुनिक तकनीक और स्मार्ट परिवहन समाधान पर आधारित है। इसके अलावा पुणे मेट्रो फेज-2 की आधारशिला भी रखी गई, जिसकी अनुमानित लागत लगभग 13,500 करोड़ रुपये है। फेज-2 के तहत लाइन 2ए, 2बी, 4 और 4ए विकसित की जाएंगी। इससे शहर के आवासीय, व्यावसायिक और आईटी क्षेत्रों के बीच कनेक्टिविटी और मजबूत होगी।

> ***कहानी, नृत्य, संगीत, वॉयस ओवर और प्रकाश प्रभावों के समन्वय से श्रीराम के अयोध्या आगमन की कथा क्रमबद्ध ढंग से प्रस्तुत की जाएगी। हिंदी में तैयार ...***

राहुल गांधी की रैली का एकमात्र मकसद... मतों की रक्षा करना नहीं, बल्कि घुसपैठियों को बचाना

करनाल में रैली कर राहुल के विदेश दौरों का शाह ने मांगा ब्यौरा



करनाल , एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलकर आरोप लगाया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संसद में हंगामा करने को कांग्रेस की कार्यशैली बना दिया है। उन्होंने कहा कि केंद्र मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने को तैयार है, लेकिन कांग्रेस चर्चा से बचने के लिए हंगामा कर रही है।

केंद्रीय मंत्री शाह ने करनाल में भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा के बाद आयोजित जनसभा को संबोधित कर ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि एसआईआर को लेकर केंद्र सरकार संसद में खुली चर्चा के लिए तैयार है। भाजपा का संकल्प है कि घुसपैठियों की पहचान कर उनके नाम मतदाता सूची से हटाए जाएं।

केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के चाणक्य शाह ने विपक्षी गठबंधन इंडिया पर निशाना साधकर कहा कि उसकी रैली का उद्देश्य मतों की रक्षा करना नहीं, बल्कि घुसपैठियों को बचाना है। उन्होंने राहुल गांधी की विदेश यात्राओं पर भी सवाल उठाए। शाह ने कहा कि राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं और देश की जनता को उनकी विदेश यात्राओं का ब्यौरा जानने का अधिकार है। इसके पहले केंद्रीय मंत्री शाह के नेतृत्व में भाजपा की पदयात्रा निकाली गई। सेक्टर-12 से शुरू हुई यह यात्रा दयानंद चौक पर संपन्न हुई। इसमें सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने हिस्सा लिया। इस दौरान कार्यकर्ता हाथों में तिरंगा लेकर केंद्र सरकार के समर्थन में नारे लगाते नजर आए।

पदयात्रा में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री एवं करनाल के सांसद मनोहर लाल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अर्चना गुप्ता, पार्टी की हरियाणा प्रभारी स्मृति ईरानी और प्रदेश के कई मंत्री शामिल हुए।

गौरतलब है कि एक नवंबर को विपक्षी गठबंधन इंडिया ने दिल्ली के रामलीला मैदान में 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली आयोजित की थी। इसमें विपक्षी नेताओं ने चुनावी अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की थी। इसके जवाब में भाजपा ने 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान शुरू किया है। इसके पहले अमित शाह हैदराबाद में भी इसी अभियान के तहत पदयात्रा का नेतृत्व कर चुके हैं।

अग्निवीरों का सेवा विस्तार अच्छा कदम, हर युवा को मिले 3-4 साल की सैन्य ट्रेनिंग: सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा नेता और पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने केंद्र सरकार के अग्निवीरों को दो साल का अतिरिक्त सेवा विस्तार देने के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक युवा को तीन से चार साल की सैन्य ट्रेनिंग मिलनी चाहिए, ताकि युवा शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होने के साथ देश की सुरक्षा के लिए तैयार रहें। उन्होंने रूस सहित कई देशों की सैन्य प्रशिक्षण व्यवस्था का उदाहरण देकर कहा कि भारत में भी ऐसी व्यवस्था लागू करने पर विचार होना चाहिए। केंद्र सरकार ने हाल ही में घोषणा की है कि चार साल का कार्यकाल पूरा कर रहे अग्निवीरों को दो साल का अतिरिक्त सेवा विस्तार मिलेगा। इसके बाद निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा करने और व्यक्तिगत सहमति देने वाले अग्निवीरों को स्थायी भर्ती का मौका मिलेगा। इस फैसले पर प्रतिक्रिया देकर बृजभूषण ने कहा कि अग्निवीर योजना के पीछे संभवत: यह सोच रही होगी कि देश का प्रत्येक नागरिक स्वस्थ और सैनिक के रूप में प्रशिक्षित हो। उन्होंने कहा कि कई देशों में युवाओं को तीन से चार साल की सैन्य ट्रेनिंग देने के बाद उन्हें सामान्य जीवन और पढ़ाई में लौटने का मौका दिया जाता है। उनके अनुसार, सेना में नौकरी देने की व्यवस्था जुड़ने के कारण योजना को लेकर कुछ अंतर्विरोध पैदा हुए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सेना की जरूरतों, युद्ध की परिस्थितियों और युवाओं की भूमिका को देखते हुए मोदी सरकार का सेवा विस्तार का निर्णय सराहनीय है। इससे अधिक युवा अग्निवीर बनने के लिए प्रेरित होंगे। बृजभूषण ने जनसंख्या नियंत्रण के मुद्दे पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि यदि सरकार दो या तीन बच्चों की सीमा निर्धारित करती है, तब इसका उल्लंघन करने वालों के संबंध में गंभीरता से विचार होना चाहिए। हालांकि, उन्होंने इसके साथ जातीय और सामाजिक संतुलन बनाए रखने की जरूरत बता दी। उन्होंने कहा कि देश में जाति आधारित सामाजिक वास्तविकताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। राजनीतिक दल भी टिकट वितरण और मंत्री पद तय करते समय संख्या बल को महत्व देते हैं।

ट्रंप के बाद अब पीएम मोदी की बारी, मिडटर्म चुनावों के नतीजों पर प्रशांत भूषण का तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के मिडटर्म चुनावों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लगे झटके के बाद भारत में भी राजनीतिक बयानबाजी तेज हुई है। वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने चुनावी नतीजों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधकर कहा कि अमेरिकी मतदाताओं ने नफरत, डर और दुष्प्रचार की राजनीति को खारिज कर दिया है। अब भारत में भी बदलाव की बारी है। प्रशांत भूषण ने पोस्ट कर कहा कि अमेरिकी मध्यावधि चुनाव भारत के लिए कई महत्वपूर्ण सबक लेकर आए हैं। उनके मुताबिक, ट्रंप भी प्रधानमंत्री मोदी की तरह मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैलाने और प्रवासियों के मुद्दे पर लोगों में डर पैदा करने की राजनीति कर रहे थे, लेकिन अमेरिकी मतदाताओं ने इस मांग को स्वीकार नहीं किया। उन्होंने ट्रंप के इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ करीबी संबंधों का जिक्र किया। वरिष्ठ वकील भूषण ने आरोप लगाया कि ट्रंप की राजनीति झूठ और दुष्प्रचार पर आधारित थी, जो कि जनता ने नकार दिया। उन्होंने अपने संदेश के अंत में कहा कि ट्रंप के बाद अब प्रधानमंत्री मोदी की बारी है। इस बीच कांग्रेस ने भी अमेरिकी चुनाव परिणामों को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अमेरिकी मध्यावधि चुनावों ने लोकतांत्रिक व्यवस्था में संस्थागत संतुलन और सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने की ताकत को प्रदर्शित किया है। कांग्रेस नेता रमेश के अनुसार, इन चुनावों ने राष्ट्रपति ट्रंप को निर्णायक रूप से खारिज किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत में वर्ष 2014 के बाद से लोकतांत्रिक संस्थाओं का संतुलन लगातार कमजोर हुआ है। कांग्रेस नेता ने केंद्र सरकार की एक राष्ट्र, एक चुनाव की पहल पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि एक साथ चुनाव कराने की व्यवस्था लोकतंत्र में सरकारों की जवाबदेही सुनिश्चित करने वाले मध्यावधि चुनावों की प्रभावशीलता को कम कर सकती है। अमेरिकी चुनाव परिणामों को लेकर विपक्षी नेताओं के इन बयानों से भारत में भी लोकतंत्र, चुनावी जवाबदेही और राजनीतिक विमर्श को लेकर बहस तेज हो गई है।

गरीबों और वंचितों को न्याय, सुरक्षा व सम्मान केवल बसपा सरकार में : मायावती

लखनऊ , एजेंसी । बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम मायावती ने आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को बेहद महत्वपूर्ण बताकर दावा किया है कि बहुजन समाज के साथ-साथ उच्च जातियों के शोषित और गरीब लोगों को न्याय, सुरक्षा एवं सम्मान केवल बसपा सरकार में ही मिल सकती है। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों से प्रदेश में पांचवीं बार बसपा की सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ पूरी ताकत से चुनावी तैयारियों में जुटने का आह्वान किया।

बसपा प्रमुख मायावती ने लखनऊ स्थित पार्टी प्रदेश कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में चुनावी तैयारियों का जायजा लिया। बैठक में प्रदेश के सभी 75 जिलों के जिलाध्यक्षों और विभिन्न स्तरों के पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान बूथ स्तर पर संगठन की मजबूती, उम्मीदवारों के चयन और सभी वर्गों में मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने की रणनीति पर चर्चा हुई।

पार्टी की ओर से जारी बयान के अनुसार, मायावती ने कांग्रेस, भाजपा और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधकर कहा कि ये दल बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान की बात करते हैं, लेकिन उस संविधान को सही भावना से लागू करने में विफल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन सरकारों ने गरीबों, मजदूरों और बेरोजगार युवाओं के हितों की अनदेखी कर बड़े पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाया है। बसपा प्रमुख ने कहा कि गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई और शोषण से परेशान बहुजन समाज अब अपने राजनीतिक अधिकारों के जरिए समस्याओं का समाधान चाहता है। इसके लिए चुनाव प्रक्रिया का स्वतंत्र, निष्पक्ष और विश्वसनीय होना जरूरी है। उन्होंने दावा किया कि बसपा की पिछली



चार सरकारों ने कानून का राज स्थापित करने के साथ 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' के सिद्धांत पर काम किया। मायावती ने संगठन की कमियों को समय रहते दूर करने और पूरी निष्ठा से चुनावी अभियान में जुटने के निर्देश भी दिए।

आजम को सुप्रीम कोर्ट से झटका: मनी लॉन्ड्रिंग केस की अर्जी हाईकोर्ट भेजी

नई दिल्ली,एजेंसी। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज धनशोधन के नए मामले में उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई से इंकार किया है। शीर्ष अदालत ने उनकी अर्जी इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर दी है, जिससे उन्हें तत्काल राहत नहीं मिल सकी है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय को निर्देश दिया है कि वह 16 नवंबर को एक खंडपीठ के समक्ष मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करे। साथ ही, शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय से उसी दिन, यानी 16 नवंबर को ही आजम खान की याचिका पर अंतरिम आदेश पारित करने को कहा है।

सपा नेता खान की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने ईडी की कार्रवाई पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि ईडी दुर्भावनापूर्ण तरीके से काम कर रही है और इसका उद्देश्य आजम को चुनाव के दौरान जेल में रखना है। वरिष्ठ अधिवक्ता सिब्बल ने शीर्ष अदालत में तर्क दिया कि जब आजम को रिहा किया जाने वाला था, तभी उन्हें जानबूझकर गिरफ्तार किया गया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, वे सिर्फ इतना चाहते हैं कि मैं (आजम खान) चुनाव के दौरान जेल में रहूं।

गौरतलब है कि 78 वर्षीय सपा नेता को जौहर ट्रस्ट से जुड़े धनशोधन मामले के सिलसिले में 1 नवंबर को गाजियाबाद की विशेष अदालत में पेश किया था। ईडी ने आजम को 31 अक्टूबर को तब गिरफ्तार किया था, जब उन्हें कथित दोहरे पैन कार्ड मामले में रामपुर जेल से जमानत पर रिहा किया जा रहा था। यह गिरफ्तारी उनकी रिहाई के तुरंत बाद हुई, जिससे सिब्बल के आरोपों को बल मिलता है।

विपक्षी के झूठ और अफवाहों का जमीन और सोशल मीडिया से जबाव देगी बीजेपी

नई दिल्ली , एजेंसी। विपक्षी दलों के आरोपों का जवाब देने और अपना राजनीतिक विमर्श मजबूत करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने डिजिटल और जमीनी अभियानों को एक साथ जोड़ने की रणनीति बनाई है। सोशल मीडिया पर वीडियो, राजनीतिक गीतों और तीखे संदेशों के जरिए विपक्षी नेताओं को घेरने के साथ ही पार्टी विभिन्न राज्यों में पदयात्राओं, रैलियों और जनसभाओं के माध्यम से जनता तक पहुंचने की तैयारी में है। भाजपा का 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान इसी रणनीति का प्रमुख उदाहरण है।

यह अभियान एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी गठबंधन इंडिया की 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली के बाद शुरु हुआ। इस रैली में विपक्षी नेताओं ने केंद्र सरकार पर चुनावी अनियमितताओं के आरोप लगाए थे और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की थी। इसके जवाब में भाजपा ने विपक्ष पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने और निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने का आरोप लगाया।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री विभिन्न राज्यों में आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लेकर अभियान को गति दे रहे हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार, पदयात्राओं से लेकर डिजिटल कार्यक्रमों तक सभी गतिविधियां राज्य इकाइयों के समन्वय से संचालित हो रही हैं। इसका उद्देश्य मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सहित विभिन्न मुद्दों पर जनता के सामने अपना पक्ष रखना और राहुल गांधी के आरोपों का जवाब देना है।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन संगठनात्मक स्तर पर अभियान की अगुवाई कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री अमित शाह, जेपी नड्डा और शिवराज सिंह चौहान सहित कई वरिष्ठ नेता भी विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हो रहे हैं। पार्टी का दावा है कि अभियान भाजपा शासित राज्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि विपक्षी दलों के शासन वाले राज्यों में भी चलाया जा रहा है।

वहीं डिजिटल मोर्चे पर भाजपा वीडियो, ग्राफिक्स, राजनीतिक गीतों और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए विपक्ष को टारगेट कर रही है। वहीं, पदयात्राओं और जनसभाओं के माध्यम से इन संदेशों को सीधे जनता तक पहुंचाने की कोशिश हो रही है।

इस अभियान में छात्र संगठनों को शामिल किया गया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने दिल्ली विश्वविद्यालय सहित विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में रैलियों और विरोध प्रदर्शनों का आयोजन किया है। संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि छात्र लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास पैदा करने के प्रयासों का विरोध कर रहे हैं। राजनीतिक संचार सलाहकार अनूप शर्मा के अनुसार, भाजपा ने शुरुआत से ही सोशल मीडिया की ताकत पहचानी और व्हाट्सएप सहित डिजिटल माध्यमों का व्यापक नेटवर्क तैयार किया। हालांकि, नई पीढ़ी के विरोध प्रदर्शनों ने पार्टी को अपनी रणनीति पर दोबारा विचार करने के लिए प्रेरित किया है। उनके मुताबिक, भाजपा अब डिजिटल प्रचार को स्थानीय संपर्क, रैलियों और संगठनात्मक गतिविधियों से जोड़ रही है, क्योंकि केवल सोशल मीडिया के सहारे चुनावी सफलता हासिल करना संभव नहीं है।

संपादकीय

आबादी पर नई दृष्टि

आज देश में प्रजनन दर में गिरावट दर्ज की जा रही है। इसी बाबत सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि दो से अधिक बच्चों वाले व्यक्ति को चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराने वाली नीति से जुड़े कानून की प्रासंगिकता अब खत्म हो गई है। अदालत ने माना कि देश में जनसांख्यिकीय बदलावों के कारण ऐसे प्रतिबंध को लेकर दिये जाने वाले तर्क अब बेमाने हो गए हैं। कोर्ट ने इस टिप्पणी के साथ ही 'जावेद बनाम हरियाणा राज्य' (2003) मामले को एक बड़ी बेंच के पास भेज दिया है। दरअसल, इस मामले में तीन जजों की बेंच ने हरियाणा पंचायती राज अधिनियम-1994 की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा था। जिसमें दो से अधिक बच्चे होने पर उम्मीदवार को स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने के लिये अयोग्य घोषित किया गया था। निस्संदेह, सुप्रीम कोर्ट की दो बच्चों के नियम पर यह टिप्पणी दुनिया के सबसे अधिक जनसंख्या वाले देश के लिये एक उपयुक्त समय पर आई है। देश की मौजूदा बदलती जनसांख्यिकीय तस्वीर दर्शाती है कि अब वे कानून पुराने व प्रतिकूल हो चुके हैं, जो जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिये जनप्रतिनिधियों को स्थानीय चुनाव में हिस्सा लेने से रोकते थे। उल्लेखनीय है कि जब कोर्ट ने 'जावेद बनाम हरियाणा राज्य'(2003) के मामले में दो बच्चों के नियम की वैधता को मान्यता दी थी, उस समय भारत की प्रजनन दर लगभग तीन थी। जबकि आज यह घटकर 1.9 हो गई है, जो प्रतिस्थापन दर 2.1 से कम है। सही मायने में इस बदलाव में हमारी वास्तविक सामाजिक स्थिति का अक्स उभरता है। मसलन बढ़ती साक्षरता, शहरीकरण का विस्तार, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और परिवार नियोजन के उपायों के प्रति समाज में जागरूकता में वृद्धि आदि। अदालत ने महाराष्ट्र के एक पूर्व सरपंच की अयोग्यता को भी रद्द कर दिया है, जिन्हें अपने तीसरे बच्चे के जन्म के बाद चुनाव लड़ने से रोक दिया गया था। इससे जुड़े संवैधानिक प्रश्न के समाधान के लिये मामले को बड़ी बेंच को भेज दिया है।

सही मायने में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी दर्शाती है कि जनसंख्या नीति और मौलिक अधिकारों के बीच पर्याप्त संतुलन बनाना जरूरी है। यानी दो बच्चों से ज्यादा होने पर किसी को सार्वजनिक सेवा करने से रोकना तार्किक नहीं होगा। दूसरे शब्दों में ऐसे लोगों के चुनाव लड़ने के हक को रोकना पारिवारिक विकल्पों के आधार पर लोकतांत्रिक भागीदारी को सीमित करने जैसा होगा। यानी यह कानून अनुच्छेद 21 अर्थात जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता संरक्षण के तहत प्रजनन स्वायत्तता पर गंभीर सवाल उठाता है। यहां यह उल्लेखनीय है कि आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान व हरियाणा आदि ने पहले ही इस प्रतिबंध को हटा दिया है। इन राज्यों का मानना था कि देश में फिलहाल जनसांख्यिकीय परिस्थितियां बदल चुकी हैं। वास्तव में अन्य राज्यों को भी इस तरह के प्रावधानों पर पुनर्विचार करना चाहिए। इस बाबत कोर्ट का मानना था कि मौजूदा कानून राजनीतिक अधिकारों से वंचित करता है। यह भी कि ज्यादा बच्चे होने पर चुनाव लड़ने से रोकने वाला यह कानून नागरिकों के वर्ग को राजनीतिक प्रतिनिधित्व से बाहर कर देता है। सही मायने में इसका किसी व्यक्ति की सार्वजनिक पद संभालने की क्षमता से कोई खास संबंध नहीं है। उल्लेखनीय है कि भारत में मौजूदा जन्मदर 1.9 है, जबकि प्रतिस्थापन दर 2.1 होनी चाहिए। जिसका मतलब है कि कम प्रजनन के चलते एक पीढ़ी की जगह अगली पीढ़ी पूरी तरह नहीं ले पायेगी। जिसका अर्थ यह है कि बुजुर्गों की आबादी बढ़ने से कामकाजी लोगों की संख्या कम हो सकती है। यदि हमने इन बदलावों को नजरअंदाज किया तो देश के विकास में नकारात्मक प्रभाव सामने आ सकते हैं। हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि घटती जन्मदर अंततः बुजुर्गों की आबादी बढ़ाने, कार्यबल में गिरावट और देश की सामाजिक सुरक्षा प्रणाली व स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव बढ़ा सकती है। भारत के जनसंख्या स्वरूप में आये बदलाव के मद्देनजर बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं, बच्चों की देखभाल सुविधाओं में विस्तार, कौशल विकास और उपयोगी पेंशन योजनाओं को क्रियान्वित करना चाहिए। इसका मतलब यह भी है कि हर दौर में छोटे परिवार की कसौटी तार्किक नहीं हो सकती।

सूक्ति

माया मरी न मन मरा, मर मर गये शरीर। आशा तृष्ना ना मरी, कह गये दास कबीर?
- कबीर
थोड़े दिन रहने वाली विपत्ति अच्छी है क्यों कि उसी से मित्र और शत्रु की पहचान होती है।
- रहीम

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

धनतेरसः धन की पूजा नहीं, धन के शुद्ध संस्कारों का पर्व


ललित गर्ग

पंच पर्वों से जुड़े दीपावली महापर्व का दूसरा महत्वपूर्ण पर्व है धनतेरस। धनतेरस के दिन भगवान धनवंतरी और मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है और इस दिन खरीदारी और दान-पुण्य करना भी शुभ माना जाता है। इस दिन को धन त्रयोदशी और धन्वंतरि जयंती के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस केवल दीपावली के आरंभ का पर्व नहीं, बल्कि धन के प्रति हमारी दृष्टि को परखने का अवसर है। यह वह दिन है जब भारतीय संस्कृति धन की पूजा के साथ मनुष्य को यह स्मरण कराती है कि धन साधन है, साध्य नहीं, समृद्धि जीवन का अलंकार है, जीवन का आधार नहीं। दुर्भाग्य यह है कि आधुनिक समय में धन की परिभाषा इतनी संकुचित हो गई है कि धन का अर्थ संवेदना, सदाचार और संतोष से नहीं, बल्कि संग्रह, सुविधा, प्रतिष्ठा और शक्ति से जोड़ा जाने लगा है। आज दुनिया में आर्थिक समृद्धि बढ़ी है, लेकिन क्या उसी अनुपात में मनुष्य समृद्ध हुआ है? चंद हाथों में सिमटती संपदा और बढ़ती आर्थिक विषमता ने समाज में एक विचित्र असुरक्षा पैदा की है। भौतिक सुविधाएं बढ़ी हैं, पर विश्वास घटा है। साधन बढ़े हैं, लेकिन साधना कमजोर हुई है। घर बड़े हुए, मगर हृदय छोटे होते गए। परिणामतः हिंसा, छल, भ्रष्टाचार, चोरी, शोषण, दुराचार और असीम संग्रह जैसी प्रवृत्तियां केवल समाज में नहीं, हमारे भीतर भी जगह बनाने लगी हैं। चेहरों की पहचान बची है, लेकिन चरित्र की पहचान धुंधली पड़ रही है।

धनतेरस का वास्तविक संदेश इसी विसंगति को दूर करने में छिपा है। धन का विरोध भारतीय चिंतन कभी नहीं करता, वह धन के अंधे संग्रह और उसके अनुचित उपयोग का विरोध करता है। सनातन दृष्टि में लक्ष्मी तभी मंगलकारी है, जब वह धर्म और लोकमंगल से जुड़ी हो। भगवान महावीर का अपरिग्रह हमें बताते हैं कि आवश्यकता से अधिक संग्रह अंततः मनुष्य को वस्तुओं का स्वामी नहीं, वस्तुओं का दास बना देता है। जैन दर्शन का संयम और अल्पीकरण केवल साधु जीवन की साधना नहीं, बल्कि गृहस्थ जीवन के लिए भी एक महत्वपूर्ण जीवन-दृष्टि है। महात्मा गांधी ने धन के इसी प्रश्न को ट्रस्टीशिप के सिद्धांत से जोड़ा। उनके लिए संपत्ति का अधिकार केवल निजी उपभोग का अधिकार नहीं था, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व भी था। धन हमारे पास हो सकता है, लेकिन उसका अंतिम अर्थ तभी है जब उससे किसी और के जीवन में आशा, सम्मान और अवसर पैदा हों। इसलिए प्रश्न यह नहीं कि हमारे पास कितना धन है, प्रश्न यह है कि हमारे धन का हमारे चरित्र पर कितना अधिकार है और हमारे धन से समाज को कितना अधिकार मिलता है।

धनतेरस धन की कामना का पर्व है। इस दृष्टि से यह अर्थव्यवस्था का पर्व है। अर्थ से अर्थ-व्यवस्था का सम्यक् एवं गुणात्मक संधान। इस दिन घर एवं बाजारों में आशा के दीप सजते हैं, मुद्रा का आदान-प्रदान होता है। मान्यता है कि इस दिन खरीदी गई चीजों में कई गुना वृद्धि हो जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि इस दिन कुछ उपाय करने से घर में धन-धान्य के भंडार भर जाते हैं और मां लक्ष्मी की कृपा सदैव बनी रहती है। तम मिटाती धनतेरस और प्रकाश बांटती लक्ष्मी यानी भारतीय पद्धति के अनुसार प्रत्येक आराधना, उपासना व अर्चना में आधिभौतिक, आध्यात्मिक और आधिदैविक इन तीनों रूपों का समन्वित व्यवहार होता है। इस तरह इस उत्सव में उपरोक्त तीनों प्रकार से लक्ष्मी की उपासना यानी धन एवं सुख-समृद्धि की कामना की जाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के जनक धन्वंतरि देव समुद्र मंथन से प्रकट हुए थे और प्रकट होते समय उनके हाथ में अमृत से भरा कलश था। यही कारण है कि इस दिन बर्तन खरीदे जाते हैं। हिन्दू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, धन संपदा की देवी मां लक्ष्मी धनतेरस के दिन ही समुद्र मंथन के दौरान प्रकट हुईं थीं इसीलिए ऐसा माना जाता है कि इस दिन सोना-चांदी घर लाने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती है, घर में सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली आती है और अच्छा भाग्य भी घर लाते हैं। सोना खरीदने से बुरी शक्तियां और नकारात्मक ऊर्जा घर से दूर होती है। कई परिवार इस दिन सोना-चांदी खरीदकर अपनी सैकड़ों साल पुरानी परंपरा का पालन करते हुए इस दिन दिव्यता एवं धन की देवी लक्ष्मी देवी की पूजा करते हैं।

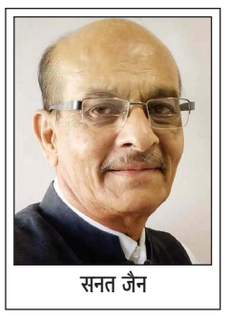
लक्ष्मीजी का स्वरूप त्रिगुणात्मक है। उनका वास तन, मन और धन तीनों में है। पांच प्रकार के सुख कहे गये हैं- तन, मन, धन, पत्नी और संतान। देवी भगवती कमला यानी लक्ष्मीजी के आठ रूप कहे गये हैं। आद्य लक्ष्मी या महालक्ष्मी (कन्या), धन लक्ष्मी (धन, वैभव, निवेश, अर्थव्यवस्था), धान्य लक्ष्मी (अन्न), गजलक्ष्मी (पशु व प्राकृतिक धन), सनातना लक्ष्मी (सौभाग्य, स्वास्थ्य, आयु व समृद्धि), वीरा लक्ष्मी (वीरोचित लक्ष्मी अर्थात रक्षा, सुरक्षा), विजया लक्ष्मी (दिगदिगंत विजय), विद्या लक्ष्मी (विद्या, ज्ञान, कला विज्ञान), इन आठों स्वरूपों को मिलाकर महालक्ष्मी का पर्व बना दिवाली। दिवाली अर्थात दीप पर्व। जहां इन आठों स्वरूपों का प्रकाश हो, वहां दिवाली निश्चित रूप से होती है। प्रकाश, पुष्टि, प्रगति की प्रार्थना के साथ। दूसरे अर्थ में समझिए। लक्ष्मीजी का वास एक लघु इकाई में है। एक माटी के दीपक में है। उसके प्रकाश में है। एक फकीर की भी दिवाली है तो एक अमीर की भी। एक कुम्हार की भी दिवाली है, तो एक सर्राफ की भी। यही लक्ष्मी है। मन की लक्ष्मी। सबकी लक्ष्मी। इसका आशय यह है कि तन, मन, धन, परिवार और संतान की पुष्टि एक दीप की तरह प्रकाशवान रहें। धनवर्षा के साथ, अमृतवर्षा के साथ।

आज आवश्यकता धन कमाने की नहीं, धन कमाने की शुद्ध पद्धति और उसके शुद्ध उपयोग की है। यदि साध्य समृद्धि है तो साधन भी शुद्ध होने चाहिए। बेईमानी, शोषण, छल और भ्रष्टाचार से अर्जित धन चाहे कितनी भी बड़ी संपत्ति क्यों न बना दे, वह जीवन में शांति और समाज में सम्मान नहीं ला सकता। इसके विपरीत परिश्रम, ईमानदारी और नैतिकता से अर्जित सीमित धन भी जीवन को गरिमा प्रदान करता है। धनतेरस हमें संग्रह के साथ विसर्जन की चेतना देता है। जिस धन का प्रवाह समाज तक नहीं पहुँचता, वह अंततः जड़ हो जाता है। दान, सेवा, शिक्षा, चिकित्सा, जरूरतमंदों की सहायता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक उत्थान में धन का उपयोग उसकी सार्थकता बढ़ाता है। दीपक की तरह धन भी तभी प्रकाश देता है, जब वह स्वयं जलकर दूसरों के जीवन में उजाला फैलाए।

इसलिए धनतेरस पर हमें केवल यह नहीं पूछना चाहिए कि इस वर्ष हमारी संपत्ति कितनी बढ़ी, बल्कि यह भी पूछना चाहिए कि हमारा संतोष कितना बढ़ा, हमारा चरित्र कितना मजबूत हुआ, हमारी करुणा कितनी गहरी हुई और हमारे धन से कितने जीवनों में उजाला आया। हमारे पास कार न हो, कोठी न हो, ऊँची कुर्सी न हो-कोई बात नहीं, लेकिन हमारे पास ईमान, इंसानियत, आत्मसम्मान, संयम और चरित्र अवश्य होना चाहिए। यही वह संपदा है जिसे न बाजार खरीद सकता है, न समय छीन सकता है। धनतेरस का दीप तभी सच्चे अर्थों में जलेगा, जब हमारे भीतर धन के साथ धर्म, समृद्धि के साथ संवेदना, भोग के साथ संयम और अधिकार के साथ उत्तरदायित्व का प्रकाश भी जले। धन की समृद्धि जीवन को सुविधापूर्ण बना सकती है, लेकिन चरित्र की समृद्धि ही जीवन को महान बनाती है। यही धनतेरस का सनातन संदेश है और यही आधुनिक समाज की सबसे बड़ी आवश्यकता भी।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

अमेरिका में ट्रंप की करारी हार, अहंकारी नेताओं को सबक


सनत जैन

अमेरिका के 3 नवंबर 2026 के मध्यावधि चुनाव परिणामों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राजनीति को जबरदस्त झटका दिया है। अमेरिका और इजरायल के मतदाताओं ने अपने अहंकारी नेताओं का अहंकार अपने मताधिकार से ठिकाने लगा दिया है। अमेरिका में यह रिपब्लिकन पार्टी की चुनावी पराजय नहीं, बल्कि ट्रंप की नीतियों, कार्यशैली और उनके अहंकारी नेतृत्व के खिलाफ अमेरिकी मतदाताओं का स्पष्ट संदेश है। इस चुनाव के जो परिणाम अभी तक प्राप्त हुए हैं, उसमें डेमोक्रेटिक पार्टी ने प्रतिनिधि सभा और सीनेट दोनों पर नियंत्रण हासिल कर लिया है। इसे ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के लिए अब तक का सबसे बड़ा राजनीतिक झटका माना जा रहा है। इस चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को उन राज्यों में भी नुकसान उठाना पड़ा, जिसे रिपब्लिकन का मजबूत गढ़ माना जाता था। टेक्सास में रिपब्लिकन के गवर्नर ग्रेग एबॉट को डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जीना हिनोजोसा ने पराजित किया है। जॉर्जिया में कीशा लांस बॉटम्स, ओहायो में एमी एक्टन और आयोवा में रॉब सैंड ने रिपब्लिकन उम्मीदवारों को हराकर गवर्नर का पद हासिल किया। इसके अलावा नेवादा में भी डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों की जीत ने रिपब्लिकन पार्टी की चिंता बढ़ाई है। सीनेट में टेक्सास, आयोवा, कंसास, ओहायो, मेन, नॉर्थ कैरोलाइना और साउथ कैरोलाइना जैसी महत्वपूर्ण सीटों पर डेमोक्रेटिक ने जीत दर्ज की है। प्रतिनिधि सभा में दो दर्जन से अधिक सीटें रिपब्लिकन पार्टी के हाथ से निकल गईं हैं। यह परिणाम बताता है, अमेरिकी मतदाता अब ट्रंप के राजनीतिक प्रभाव से प्रभावित होकर आंख मूंदकर मतदान करने के लिए तैयार नहीं हैं। अमेरिका की जनता ने कट्टरपंथी विचारधारा को नकार दिया है। ट्रंप की हार के पीछे सबसे बड़ा कारण अमेरिकी नागरिकों की आर्थिक परेशानी रही। महंगाई, पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतें, खाद्य वस्तुओं की महंगाई और आयात शुल्क (टैरिफ) नीति ने आम अमेरिकी परिवारों का जीना मुहाल कर दिया था। दूसरे देशों के साथ व्यापारिक संबंधों में तनाव ने अमेरिकी कारोबार को भी प्रभावित किया। इसके साथ ही ईरान के साथ युद्ध ने ट्रंप की लोकप्रियता को भारी नुकसान पहुंचाया।

अमेरिका और इजराइल की सैन्य कार्रवाई के बाद मध्यपूर्व में अस्थिरता बढ़ी, जिससे तेल की आपूर्ति प्रभावित हुई। ऊर्जा की कीमतों का बोझ अमेरिकी नागरिकों को उठाना पड़ा। मतदाताओं ने यह सवाल समय-समय पर उठाया था, जब अमेरिका में महंगाई और आर्थिक समस्याएं हैं। ईरान से कोई सीधा झगड़ा अमेरिका का नहीं था। नेतन्याहू के कहने पर डोनाल्ड ट्रंप ने इस युद्ध में अमेरिका को फंसा दिया। विदेशी युद्धों में इतना पैसा अमेरिका क्यों खर्च कर रहा है। इसका लगातार विरोध अमेरिका में हो रहा था। इस चुनाव का बड़ा असर इजराइल पर पड़ना तय है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इजराइल में हार गए हैं। ट्रंप प्रशासन के साथ नजदीकी रिश्तों को विदेश नीति की बड़ी ताकत माना था। अब अमेरिकी कांग्रेस में डेमोक्रेटिक पार्टी का नियंत्रण होने से इजराइल को मिलने वाली सैन्य सहायता, हथियारों की आपूर्ति और ईरान के खिलाफ अमेरिकी रणनीति पर भारी बदलाव हो सकते हैं। इजराइल की जनता ने चुनाव परिणाम को नेतन्याहू के नेतृत्व की विफलता से जोड़ना शुरू कर दिया है। इजरायल के नागरिकों को भी ईरान के साथ युद्ध की भारी कीमत चुकानी पड़ी है। अमेरिका में इजराइल के प्रति समर्थन अब पहले जैसा निर्विवाद नहीं रहेगा। भविष्य में इजराइल को अमेरिकी समर्थन बनाए रखने के लिए दोनों देशों को अपने नए रिश्ते तैयार करने होंगे। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की पराजय के बाद ईरान के लिए यह परिणाम एक नई राजनीतिक संभावना लेकर आया है। डेमोक्रेटिक बहुमत वाली कांग्रेस ट्रंप प्रशासन से युद्ध के खर्च, सैन्य कार्रवाई और ईरान के साथ बातचीत और समझौते के लिए दबाव बना सकती है। सैन्य बजट और युद्ध संबंधी फैसलों पर भी अमेरिकी संसद की निगरानी बढ़ेगी, ट्रंप के फैसलों पर अब संसद का नियंत्रण होगा।

इससे ईरान के साथ युद्धविराम और कूटनीतिक समझौते की संभावनाएं बढ़ सकती हैं। यह कहना जल्दबाजी होगी, ट्रंप अपनी ईरान नीति को तत्काल बदलने तैयार होंगे, क्योंकि अभी भी राष्ट्रपति के पास विदेश नीति और सैन्य कार्रवाई के व्यापक अधिकार बने रहेंगे। भारत के लिए अमेरिकी चुनाव परिणाम के दो पहलू हैं। ट्रंप की टैरिफ नीति पर कांग्रेस का अंकुश बढ़ सकता है, जिससे भारतीय निर्यातकों को राहत मिलने की संभावना है। दूसरी तरफ रूस से भारत के तेल आयात, व्यापार समझौते, वीजा और रक्षा सहयोग जैसे मुद्दों पर अभी भी अमेरिकी दबाव बना रहेगा। इसके बाद भी जिस तरह से ट्रंप भारत को एक कमाई का जरिया मानकर चल रहे थे, उस पर अब अमेरिकी संसद का नियंत्रण होगा। ट्रंप भी भारत को लेकर अब सहज और सरल होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ट्रंप के व्यक्तिगत संबंधों के बावजूद भारत को अमेरिकी प्रशासन के साथ-साथ डेमोक्रेटिक नेतृत्व वाली कांग्रेस से मजबूत संवाद स्थापित करना होगा। भारत की विदेश नीति के सामने रूस, अमेरिका, ईरान और इजराइल के साथ संतुलन बनाए रखने की बड़ी चुनौती रहेगी। अमेरिकी मध्यावधि चुनाव का संदेश केवल सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के मतदाताओं ने यह बता दिया है, विदेश नीति, युद्ध, व्यापारिक टकराव और आर्थिक राष्ट्रवाद की भी बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। अब ट्रंप के सामने अपने शेष कार्यकाल में कांग्रेस के विरोध, जांच और राजनीतिक जवाबदेही की चुनौती होगी। वहीं उन्हें पार्टी के विरोध का भी सामना करना पड़ेगा। सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है, क्या ट्रंप अपनी नीतियों में बदलाव करेंगे या अपनी राजनीतिक प्रतिष्ठा बचाने के लिए और आक्रामक रुख अपनाएंगे? चुनाव के रुझान आने के पहले ही उन्होंने कह दिया था कि यदि वह चुनाव हार भी गए तो उनके पास वीटो होगा। यदि उन्होंने टकराव का रास्ता चुना तो अमेरिका के सहयोगी देशों के साथ संबंध और भी जटिल हो सकते हैं। अमेरिका में उनके खिलाफ और भी बड़ा माहौल बन सकता है। यह चुनाव ट्रंप के लिए चेतावनी है। दुनिया पर दबदबा बनाने की ट्रंप की कोशिश में यदि उसका अपने ही देश में विरोध बढ़ेगा। वह अपने ही देश के नागरिकों की आर्थिक परेशानियों और अपेक्षाओं को नजरअंदाज करेंगे, ऐसी स्थिति में उन्हें अपना अगला कार्यकाल पूरा कर पाएंगे या नहीं इसकी भी चुनौती मिल सकती है। इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। लोकतंत्र में अंततः जनता का फैसला ही सर्वोपरि होता है। आशा है अहंकारी ट्रंप अपनी जनता की भावनाओं को समझेंगे और बचा हुआ राष्ट्रपति का कार्यकाल जन भावनाओं के अनुरूप फैसला लेंगे।

गृह लक्ष्मियों के सशक्तीकरण पर भी ध्यान दें..

दीपावली की आहट सुनाई देने लगी है। घर-दुकान से लेकर कार्यालय आदि की साफ-सफाई का दौर चल रहा है। धन की देवी की बाट ताकती दुनिया को पता है कि भले ही उनकी सवारी उल्लू है, लेकिन उनकी कृपा उसी जगह होती है। जहां स्वच्छता होती है। लेकिन यह स्वच्छता आती कैसे है? बिना उद्यम और परिश्रम के क्या सफाई संभव है। मतलब साफ है कि बिना उद्यम के लक्ष्मी का आना संभव नहीं। हमारी परंपरा में घर-परिवार की महिलाओं-कन्याओं को भी देवी का ही रूप माना जाता है। बिनु घरनी घर भूत का डेरा, हमारे यहां यह माना जाता रहा है। यानी घर में जब घरनी या महिला होती है, तो वह सिर्फ महिला, पत्नी, बेटी, बहन या मां ही नहीं रह जाती, बल्कि घर की लक्ष्मी हो जाती है। घर की लक्ष्मी जब समर्थ होती है तो परिवार खुशहाल होता है। इन्हीं संदर्भों में याद आती है भारत सरकार की लखपति दीदी योजना। मोदी सरकार की कोशिशों से अब देश में तीन करोड़ महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। अब भारत सरकार का लक्ष्य है कि इस संख्या को छह करोड़ तक पहुंचाया जाए। इस योजना की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब कई दीदियां करोड़पति बन चुकी हैं या फिर उनका स्वयंसहायता समूह करोड़पति हो चुका है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इतिहास में अपनी कई अनूठी पहलों के लिए याद किए जाएंगे। उनमें से ही एक अनूठी पहल है, लखपति दीदी योजना। इस योजना की शुरूआत उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के दिन 15 अगस्त 2023 को किया था। इसके तहत अगले साल के केंद्रीय बजट में इसे औपचारिक रूप से देश भर में लागू करने का प्रावधान किया गया। इस योजना का नोडल केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय है। जिसके तहत चल रही दीनदयाल अंत्योदय योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन को इस योजना को लागू करने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को कौशल विकास की ट्रेनिंग देकर आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है, ताकि वे सालाना कम से कम ?1 लाख की स्थायी आय अर्जित कर सकें। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने वाली इस योजना के तहत उन्हें एलईडी बल्ब बनाने, प्लंबिंग, ड्रोन चलाने और रिपेयरिंग जैसे तकनीकी काम तो सिखाए ही जा रहे हैं, उन्हें स्थानीय स्तर पर काम करने और दस्तकारी आदि को बढ़ावा देने की भी कोशिश की जा रही है। शुरू में इस योजना के जरिए दो करोड़ महिलाओं को %लखपति दीदी% बनाने का लक्ष्य रखा गया था, जिसे फरवरी 2024 के अंतरिम बजट में बढ़ाकर तीन करोड़ कर दिया गया और यह लक्ष्य भी हासिल किया जा चुका है। इस योजना के तहत राज्य सरकारों की मदद से बैंकों से स्वयं सहायता समूहों को सस्ते दर पर कर्ज दिलाया जा रहा है। अच्छी बात यह है कि ज्यादातर दीदियां इस कर्ज से ना सिर्फ अपना काम बढ़ा रही हैं, बल्कि बैंकों को कर्ज की किश्तें भी नियमित रूप से चुका रही हैं। हाल ही में विजयवाड़ा में आयोजित दिल्ली के बाहर सरस मेले के दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस लक्ष्य को छह करोड़ करने का ऐलान किया और कहा कि अगले तीन साल में इस लक्ष्य को हासिल कर लिया जाएगा। इस दस्तकारों और स्वयंसहायता समूहों द्वारा निर्मित सामानों को बाजार उपलब्ध कराने की दृष्टि से केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय 1999 से ही दिल्ली में सरस मेले का आयोजन करता रहा है। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार द्वारा शुरू किए गए इस बाजार को अब तक दिल्ली में ही लगाया जाता रहा है। लेकिन इस साल पहली बार विजयवाड़ा में 13 से 31 अक्टूबर तक विजयवाड़ा में यह आयोजन किया गया। इस आयोजन में विशेष रूप से सफल लखपति और करोड़पति दीदियों के काम को प्रदर्शित किया गया। इसी आयोजन में झारखंड के



पूर्वी सिंहभूम जिले लखपति दीदी मीनू रक्षित से मुलाकात हुई। ग्यारह महिला सदस्यों की सहायता से शुरू उनके ग्रुप का टर्न ओवर अब पचास लाख सालाना से ज्यादा हो गया है। इसका असर यह हुआ है कि कभी मजदूरी करके जीने वाला उनका परिवार अब आत्मनिर्भर हो गया है और ना सिर्फ उनके परिवार में खुशहाली आई है, बल्कि उनके समूह में शामिल महिलाओं की भी स्थिति सुधरी है। साबुन बनाने से शुरू हुआ उनका काम अब 35 तरह के घरेलू उत्पाद बना रहा है और देशभर से उनके माल की मांग बढ़ रही है। कुछ ऐसी ही कहानी रही राजस्थान के बीकानेर से इस मेले में शामिल होने आई राजीविका मिशन से जुड़ी ममता की भी कहानी है। बीकानेर अपने नमकीन के लिए मशहूर पहले से ही है। ममता भी अपने घर में अपने खाने-पीने के लिए नमकीन बनाती रहीं। लेकिन लखपति दीदी योजना से जुड़ने के बाद उनके समूह की ग्यारह महिलाओं का जैसे भाग्य ही बदल गया। महज तीन साल में ही इस समूह का सालाना टर्नओवर बारह लाख से ज्यादा हो गया है। इसका असर यह हुआ है कि इस समूह की महिलाएं अपने घर की आर्थिक मदद करने लगी हैं। अपने बच्चों के खर्च के लिए उन्हें किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ रहा। लखीमपुर से आई शमीमा की भी कुछ ऐसी ही कहानी रही। आज उनका समूह चमड़े के जूते-चप्पल बना रहा है। इस काम में उनके पति सहयोग करते हैं और उनके समूह का टर्नओवर साठ लाख को पार कर चुका है।

भारत में प्रबंधन की पढ़ाई के लिए मशहूर भारतीय प्रबंधन संस्थान यानी आईआईएम, अहमदाबाद ने हाल ही में लखपति दीदी योजना को लेकर एक शोध किया है। संस्थान ने अपने अध्ययन में देश के सत्रह राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 6531 महिलाओं के काम को शामिल किया है। इस अध्ययन के मुताबिक लखपति दीदियों के परिवारों की आय में 61 फीसद तक का इजाफा देखा गया है। इसकी वजह से परिवारों की मासिक बचत में करीब 61.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। मार्च 2026 में खत्म हुए अध्ययन के अनुसार, करीब 48 प्रतिशत लखपति दीदियों के कारोबार में पिछले एक साल में विस्तार हुआ है। इसका असर यह हुआ है कि अब लखपति दीदियों के काम करने का दायरा भी बढ़ा है। अब वे एक साथ करीब-करीब दो-दो काम कर रही हैं। इस अध्ययन के मुताबिक एक लखपति दीदी की कामयाबी से दूसरी महिलाओं को भी प्रेरणा मिली और उन्होंने भी समूह बनाकर इस योजना का फायदा उठाया और अपनी आर्थिक स्थिति बेहतर की।

घर की लक्ष्मी भले ही महिला को माना जाता रहा हो, लेकिन पारंपरिक परिवारों के अहम फैसलों में महिलाओं की राय की भूमिका कम रही है। लेकिन लखपति दीदियों की राय को पारिवारिक फैसलों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आईआईएम के अध्ययन के अनुसार 36 प्रतिशत से ज्यादा लखपति दीदियों का कहना है कि पारिवारिक मामलों में उनकी राय का वजन बढ़ा है, साथ ही करबी 30.5 प्रतिशत दीदियों का मानना है कि उन्हें इस योजना के जरिए आर्थिक स्वायत्तता मिली है। आईआईएम अहमदाबाद की अध्ययन रिपोर्ट बताती है कि इस योजना से ग्रामीण समाज में भी बदलाव दिख रहा है।

मराठी की एक कहावत है कि एक शिक्षित महिला के चलते सात पीढ़ियों तक शिक्षा का बदलाव दिखता है। कुछ इसी तर्ज पर कह सकते हैं कि लखपति दीदी योजना के चलते भारतीय समाज बदलाव के नए दौर में कदम रख चुका है। सोचिए अगर देश की छह करोड़ महिलाएं सालाना कम से कम एक लाख रूपए की आय वाली होंगी तो इसका क्या असर होगा। निश्चित तौर पर छह करोड़ परिवार गरीबी रेखा की सीमा को कुछ और फांद जाएंगे। लक्ष्मी पूजन के मौके पर लखपति दीदी योजना को इस रूप में भी देखा जाना चाहिए।

जोया में न्याय पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का भव्य आयोजन



अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के विकासखंड जोया के ग्राम पतई खालसा स्थित पंचायत खेल स्थल पर गुरुवार को न्याय पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विकासखंड के प्राथमिक, उच्च प्राथमिक एवं कंपोजिट विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। संबंधित विद्यालयों के शिक्षकों ने भी आयोजन में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ ग्राम सिनौरा के ग्राम प्रधान वसीम अहमद और पुरूजीत सिंह ने किया। इस अवसर पर एआरपी भूपेंद्र सिंह, जयदीप चौधरी, मृणाली गोला, वरिष्ठ एनपीआरसी जाकिर हुसैन, पूर्व जिला व्यायाम शिक्षक सुशील नागर, लक्ष्य त्यागी, जमशेद शरीफ, सहरोज आलम सहित अनेक शिक्षक एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। पूर्व एनपीआरसी अनीस अहमद, अभिषेक कटारिया एवं अरुणा गोले मैडम ने विभिन्न खेलों के संचालन में सराहनीय सहयोग दिया। प्राथमिक स्तर की 50 मीटर एवं 100 मीटर दौड़ में कंपोजिट विद्यालय जीवाई के अंश ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में अनमता (कंपोजिट विद्यालय जीवाई) अव्वल रहीं। जूनियर स्तर की 100 एवं 200 मीटर दौड़ में भीकनपुर मुंडा के राजन ने तथा बालिका वर्ग की 200 मीटर दौड़ में बरखेड़ा राजपूत की सुभाना ने प्रथम स्थान हासिल किया। खिलाड़ियों ने दमखम दिखाते हुए शानदार प्रदर्शन किया।

अमरोहा पुलिस ने लगभग 51 लाख रूपए के 243 गुम मोबाइल बरामद कर मालिकों को सौंपे





अमरोहा (सब का सपना):- गुम हुए मोबाइल को वापस पाना अब नामुमकिन नहीं रहा। अमरोहा पुलिस ने CEIR पोर्टल और सर्विलांस की मदद से जिले भर में गुम हुए 243 मोबाइल फोन बरामद कर एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। बरामद फोन की अनुमानित कीमत करीब 51 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस अधीक्षक के आदेश और अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपदीय साइबर सेल व सभी थानों की साइबर हेल्प डेस्क टीम ने यह विशेष अभियान चलाया। गुरुवार को पुलिस कार्यालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक अमरोहा ने बरामद मोबाइल उनके असली मालिकों को सौंपे। महीनों से खोए फोन को वापस पाकर मालिकों के चेहरे खिल उठे और उन्होंने अमरोहा पुलिस का आभार जताया। आम जनमानस में भी इस सराहनीय कार्य की जमकर प्रशंसा हो रही है। जनपदीय साइबर सेल ने सबसे अधिक 60, सैदनगली ने 32, हसनपुर ने 23, रजबपुर ने 21, नौगावां सादात व अमरोहा नगर ने 20-20, डिडौली ने 18, मण्डी धनौरा ने 13, अमरोहा देहात व गजरौला ने 12-12, बछरांयू ने 08, रहरा व आदमपुर ने 02-02 मोबाइल बरामद किए। अमरोहा पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी अनजान लिंक, मैसेज या ऐप पर क्लिक न करें।

अपनी व्यक्तिगत जानकारी, ओटीपी व बैंक विवरण किसी के साथ साझा न करें। साइबर ठगी का शिकार होने पर तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 व http:// www. cybercrime. gov.in पर शिकायत दर्ज करें। मोबाइल गुम होने पर तुरंत उएक्स पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर उसे ब्लॉक कराएं।

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी की मासिक बैठक का आयोजन



अमरोहा (सब का सपना):- विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों को लेकर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ने कमर कस ली है। गुरूवार को अमरोहा स्थित पार्टी कार्यालय रौनक वाटिका के पीछे पार्टी की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करने का मास्टर प्लान तैयार किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने कार्यकताओं में नया जोश भर दिया। उन्होंने कहा कि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर के कुशल मार्गदर्शन और दूरदर्शी नेतृत्व में सुभासपा समाज के हर वर्ग, हर जाति, हर धर्म के वंचित, शोषित और दबे-कुचले लोगों की आवाज को मजबूती से उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि कार्यकताओं की अथक मेहनत, जनता के अपार सहयोग और संगठन की एकजुटता से पार्टी का जनाधार लगातार मजबूत हो रहा है। अब समय आ गया है कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति का सम्मान सुनिश्चित किया जाए और उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाए। यही हमारे नेता ओमप्रकाश राजभर का सपना है। जिलाध्यक्ष ने सभी पदाधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि सभी अपने-अपने क्षेत्रों में बूथ कमेटियों को सक्रिय करें, हर बूथ पर पन्ना प्रमुख नियुक्त करें और सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना सुनिश्चित करें। इसके अलावा बैठक में संगठनात्मक मजबूती, सदस्यता अभियान और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

इस दौरान मंडल सचिव यूनुस सैफी प्रधान, कोषाध्यक्ष आदेश अमरोही, जिला उपाध्यक्ष जसवीर सिंह चौहान, जिला उपाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह प्रधान, मंत्री प्रतिनिधि राजेन्द्र सिंह बग्गा, मोहम्मद शफी, जुबैर अहमद, जिला महासचिव डॉ0 जगत सिंह गुर्जर, शेर अली, नवाब अहमद, मुजीब बछरायूं, खालिद, भूरा भाई, नवाजिश खान, विधानसभा अध्यक्ष मोहम्मद नाजिम, राम गोपाल जाटव, सिन्टू सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अमरोहा जिला अस्पताल में चिकित्सकों को सम्मान पत्र वितरित



अमरोहा (सब का सपना):- प्रदेश सरकार द्वारा जिला संयुक्त चिकित्सालय में कार्यरत चिकित्सकों को स्वास्थ्य सेवाओं में उनके सेवा समर्पण भाव एवं अतुल्य योगदान के लिए सम्मान पत्र प्रेषित किए गए। इन सम्मान पत्रों का वितरण गुरुवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रमाकान्त सागर एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अश्वनी कुमार भण्डारी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर सूक्ष्म जलपान भी कराया गया। सम्मान समारोह में डॉ. विनय भार्गव, डॉ. प्रज्ञा प्रसाद, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. कमलेशचन्द्र तिवारी, डॉ. विजयपाल सिंह, डॉ. अवनीश कुमार, डॉ. इकबाल हुसैन, डॉ. कामेन्द्र कुमार, डॉ. मनीष कुमार सिंह, डॉ. मनीष तिवारी, डॉ. प्रकाश सिंह, डॉ. अंकिता पाण्डेय, डॉ. एम. शाहबाज ताहिर, डॉ. राजकुमार, डॉ. फैजान अशरफ, डॉ. शिव कुमार गुप्ता, डॉ. राहुल अग्रवाल, डॉ. राहुल बंसल तथा डॉ. अशोक कुमार सहित अन्य चिकित्सक उपस्थित रहे। सर्वप्रथम सम्मानित चिकित्सकों को सम्मान पत्र सौंपकर आगामी दीपावली की शुभकामनाएं दी गईं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने सभी चिकित्सकों को टीम वर्क के साथ उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की प्रेरणा दी।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में दीपावली पर्व को सकुशल संपन्न कराने हेतु शांति समिति की बैठक आयोजित



अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार, अमरोहा में दीपावली पर्व को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में त्योहार के दौरान जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने, आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की रोकथाम हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि दीपावली पर्व के दृष्टिगत जनपद में विद्युत आपूर्ति सुचारू एवं निर्बाध रूप से सुनिश्चित की जाए। बाजारों, प्रमुख मार्गों एवं पूजा स्थलों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था कराई जाए। नगर निकायों एवं संबंधित विभागों द्वारा विशेष साफ-सफाई अभियान चलाया जाए तथा सार्वजनिक स्थलों पर पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। त्योहार के दौरान रोडवेज बसों का पर्याप्त संचालन एवं यात्रियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए, जिससे आमजन को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

जिलाधिकारी ने खाद्य सुरक्षा विभाग को निर्देश दिए कि दीपावली पर्व के दौरान मिठाइयों एवं अन्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच हेतु विशेष अभियान चलाया जाए। मिलावटी एवं दूषित खाद्य पदार्थों की बिक्री पर प्रभावी रोक लगाई जाए तथा दुकानों पर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि जनपद के अस्पतालों में पर्याप्त मात्रा में दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा आवश्यकतानुसार चिकित्सकों की तैनाती रखी जाए, ताकि किसी भी आपात स्थिति में नागरिकों को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सके। जिलाधिकारी ने कहा कि दीपावली पर्व के दौरान सभी पूजा स्थलों एवं धार्मिक आयोजनों में पेयजल, साफ-सफाई एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। त्योहार को प्लास्टिक मुक्त मनाने के लिए आमजन को जागरूक किया जाए तथा प्रतिबंधित प्लास्टिक के प्रयोग को रोकने हेतु आवश्यक कार्रवाई की जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कर ली जाएं तथा जनसामान्य की सुविधाओं एवं सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए।

जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने जनपदवासियों से अपील की कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी सभी त्योहारों को आपसी प्रेम, सौहार्द, भाईचारे एवं शांतिपूर्ण वातावरण में मिल-जुलकर मनाएं। उन्होंने कहा कि त्योहार हमारी सामाजिक एकता एवं सांस्कृतिक परंपराओं के प्रतीक हैं। सभी लोग एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करते हुए आपसी सद्भाव बनाए रखें तथा जनपद में शांति एवं सौहार्द की परंपरा को कायम रखें। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि दीपावली पर्व के दौरान जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गयी है। बाजारों, प्रमुख चौराहों, धार्मिक स्थलों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जाए। नियमित गश्त, यातायात व्यवस्था एवं सुरक्षा प्रबंध प्रभावी ढंग से सुनिश्चित की जायेगी।

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के अंतर्गत मतदेय स्थलों के संभाजन एवं आयोग द्वारा अनुमोदित नए मतदेय स्थलों की जानकारी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को दी गई



अमरोहा (सब का सपना):- भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी 2027 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के अंतर्गत मतदेय स्थलों के संभाजन संबंधी प्रस्तावों पर आयोग द्वारा प्रदान किए गए अनुमोदन के उपरांत नए मतदेय स्थलों की जानकारी दिए जाने के संबंध में आज जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनीतिक दलों के अध्यक्षों, मंत्रियों एवं प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई।

बैठक में अवगत कराया गया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अर्हता तिथि 01 जनवरी 2027 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 हेतु पुनरीक्षण कार्यक्रम घोषित किया गया है। इसके अंतर्गत सर्वप्रथम मतदेय स्थलों के संभाजन की कार्यवाही पूर्ण करते हुए दिनांक 27 अक्टूबर 2026 को सभी संलग्नकों सहित मतदेय स्थलों के प्रस्ताव मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय को आयोग के अनुमोदनार्थ प्रेषित किए गए थे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश द्वारा पत्र दिनांक 04 नवंबर 2026 के माध्यम से अवगत कराया गया कि विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के मतदेय स्थलों के संभाजन प्रस्तावों को आयोग द्वारा अनुमोदित कर दिया गया है। आयोग के अनुमोदन के उपरांत जनपद अमरोहा के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में मतदेय केंद्रों एवं मतदेय स्थलों की संख्या के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 39-धनौरा (अ0जा0) में 253 मतदेय केंद्र एवं 421 मतदेय स्थल, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 40-नौगावां सादात में 284 मतदेय केंद्र एवं 416 मतदेय स्थल, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 41-अमरोहा में 153 मतदेय केंद्र एवं 366 मतदेय स्थल तथा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 42-हसनपुर में 226 मतदेय केंद्र एवं 422 मतदेय स्थल निर्धारित किए गए हैं। इस प्रकार जनपद में कुल 916 मतदेय केंद्र तथा 1625 मतदेय स्थल आयोग द्वारा अनुमोदित किए गए हैं। बैठक में बताया गया कि आयोग द्वारा घोषित विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 कार्यक्रम के अनुसार दिनांक 12 नवंबर 2026 को विधानसभा निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन किया जाएगा। दिनांक 12 नवंबर 2026 से 11 दिसंबर 2026 तक दावे एवं आपत्तियों से संबंधित फार्म-6, 6ए, 7 एवं 8 प्राप्त किए जाएंगे, जिनका निस्तारण दिनांक 28 दिसंबर 2026 तक किया जाएगा। दावे एवं आपत्तियों के निस्तारण के उपरांत दिनांक 04 जनवरी 2027 को निर्वाचक नामावलियों का नियमानुसार अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश द्वारा विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के अंतर्गत दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि में चार विशेष अभियान दिवस दिनांक 21 नवंबर 2026 (शनिवार), 22 नवंबर 2026 (रविवार), 28 नवंबर 2026 (शनिवार) तथा 29 नवंबर 2026 (रविवार) निर्धारित किए गए हैं। बैठक में उपस्थित सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अनुरोध किया गया कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 एवं निर्धारित विशेष अभियान दिवसों के दौरान छूटे हुए, प्रथम बार पात्र एवं युवा निर्वाचकों के फार्म-6 भरवाने में पूर्ण सहयोग प्रदान करें।]

साथ ही अपने दलों द्वारा नियुक्त बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) को सक्रिय करते हुए संबंधित मतदेय स्थलों पर तैनात बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के साथ समन्वय स्थापित कर पुनरीक्षण कार्य में सहयोग प्रदान करें, जिससे कोई भी पात्र नागरिक निर्वाचक नामावली में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे।

धनौरा में भाकियू (टिकैत) की मासिक बैठक का आयोजन,गन्ने का भाव रु550 व 60 साला किसानों को पेंशन की मांग



धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा ब्लॉक परिसर में गुरुवार को भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) गुट की मासिक बैठक का आयोजन कराया गया जिसमें किसानों ने गन्ने का मूल्य 550 करने व 60 साल से ऊपर के किसानों की पेंशन बनवाने की मांग की इसके अलावा बैठक में आम जनता से जुड़े हुए मुद्दों को भी उठाया गया। बता दें कि आयोजित बैठक की अध्यक्षता रामकुमार ने की और संचालन रामवीर सिंह ने किया।इस दौरान संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक कुमार ने मांग करते हुए कहा कि वेब शुगर मिल धनौरा और अन्य मिलें 5009 वैरायटी के गन्ने को अगेती फसल के रूप में खरीदें। किसानों ने प्रदेश सरकार से 2026-27 के लिए गन्ने का समर्थन मूल्य 550 रुपए प्रति क्विंटल घोषित करने की मांग भी की। पंचायत में अमरोहा जिले और प्रदेश के सभी धान खरीद केंद्रों को ठीक से चलाने की मांग की गई। वक्ताओं ने कहा कि किसानों को धान बेचने में परेशानी हो रही है।वरिष्ठ नेता मुकेश शर्मा ने धनौरा-अमरोहा रोड से धनौरा-फीना रोड तक बैराज मध्य गंगा नहर की दोनों तरफ पक्का शेड बनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि इससे धनौरा में लगने वाले जाम से राहत मिलेगी।किसानों ने केंद्र सरकार से 60 साल की उम्र पूरी कर चुके किसानों को हर महीने 5 हजार रुपए पेंशन देने की मांग की।दीपावली पर बाजारों में मिलावट रोकने के लिए जिला प्रशासन से कदम उठाने की मांग की गई। वक्ताओं ने कहा कि हसनपुर में कई वस्तुओं में मिलावट हो रही है। इसे नहीं रोका गया तो भाकियू आंदोलन करेगी।पंचायत में प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक कुमार, रामवीर सिंह, अतर सिंह, बालेश त्यागी, दीपा धनौरी, राजवीर सिंह, संजय सिंह अम्हेड़ा, सरदार सिंह, नीटू सिंह, जोगिंद्र सिंह, गंगाशरण सैनी, करीम हैदर, जयप्रकाश, हफीज खां, रणवीर सिंह और झुंडे सिंह सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डीएम ने तिगरी गंगा मेले की तैयारियों को युद्धस्तर पर पूरा कराने के निर्देश





अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने आज तिगरी गंगा मेला स्थल का औचक निरीक्षण कर मेले की तैयारियों, सुरक्षा व्यवस्था एवं विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों ने प्रस्तावित ले-आउट का अवलोकन किया तथा मौके पर चल रहे कार्यों की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मेले की सभी तैयारियां निर्धारित समयसीमा में युद्धस्तर पर पूर्ण कराई जाएं, ताकि गंगा स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मेला परिसर में विभिन्न स्थानों पर ड्यूटी प्वाइंट निर्धारित करने, सभी सेक्टरों की सड़कों का चौड़ीकरण कराने तथा आवागमन के रास्तों को सुगम बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने गंगा रोड एवं वीआईपी रोड का निरीक्षण करते हुए गंगा रोड के शेष कार्य को शीघ्रता से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत को टेंट लगाने का कार्य तत्काल प्रारंभ कराने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने वॉच टावरों पर सुरक्षित सीढ़ियों, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था एवं निगरानी के समुचित इंतजाम सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही पूरे मेला परिसर में दिशा-सूचक एवं सूचना बोर्ड लगाए जाने के निर्देश दिए, जिससे बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को विभिन्न सेक्टरों, घाटों, पार्किंग स्थलों एवं अन्य सुविधाओं तक पहुंचने में आसानी हो। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने बताया कि तिगरी गंगा मेले में सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के लिए लगभग 3500 पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेला क्षेत्र एवं आसपास के मार्गों पर निरंतर निगरानी रखी जाए। बाइक से स्टंट करने, हुड़दंग मचाने तथा सड़कों को क्षतिग्रस्त करने वाले अराजक तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। ऐसे मामलों में संबंधित वाहनों को सीज करने सहित नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। ताकि मेले में आने वाले श्रद्धालु सुरक्षित वातावरण में आवागमन कर सकें। बताया कि पूरे मेला परिसर, प्रमुख रास्तों और मुख्य घाटों की जल से लेकर थल तक की निगरानी ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी (CCTV) के जरिए की जाएगी जिलाधिकारी ने श्रद्धालुओं की सुविधाओं के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि इस बार जिला पंचायत द्वारा 24 अस्थायी घाटों का निर्माण कराया जाएगा। महिलाओं की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त संख्या में चेंजिंग रूम बनाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए अस्थायी शौचालयों की व्यवस्था की जाएगी। सभी सेक्टरों की चौड़ाई बढ़ाई जाएगी तथा आंतरिक सड़कों का चौड़ीकरण कराया जाएगा, जिससे मेले में श्रद्धालुओं की आवाजाही सुचारु रूप से हो सके। जिलाधिकारी ने बताया कि तिगरी गंगा मेले को धार्मिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से भव्य स्वरूप प्रदान करने के लिए स्कूली बच्चों एवं कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही श्रद्धालुओं के लिए भव्य गंगा आरती का आयोजन भी कराया जाएगा, जिसके लिए वाराणसी से गंगा आरती कराने वाले पुरोहितों को आमंत्रित किया गया है। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि तिगरी गंगा मेला जनपद का महत्वपूर्ण धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन है। मेले में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु की सुरक्षा, सुविधा, स्वच्छता एवं सुगम आवागमन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी विभाग अपने-अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करें तथा व्यवस्थाओं को समय से पूर्ण कराएं। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने विशेष रूप से निर्देश दिए कि मेला परिसर के सभी सेक्टरों में सड़क एवं मार्गों का चौड़ीकरण सुनिश्चित किया जाए तथा पर्याप्त संख्या में साइन बोर्ड लगाए जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को रास्तों एवं घाटों सहित अन्य महत्वपूर्ण जानकारी आसानी से मिल सके और उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो। वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित कर उसे जल्द से जल्द तैयार कराया जाए, ताकि जाम जैसी स्थिति उत्पन्न न हो। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया, अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेन्द्र प्रताप सिंह, उपजिलाधिकारी धनौरा शैलेश कुमार दुबे सहित संबंधित विभागों एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे।

जनगणना-2027 के सफल क्रियान्वयन के लिए स्व-गणना का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें:- मुख्य विकास अधिकारी



बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- जनगणना-2027 के सफल एवं समयबद्ध क्रियान्वयन को लेकर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्व-गणना और जनगणना कार्य की तैयारियों की समीक्षा करते हुए व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनगणना-2027 के द्वितीय चरण के अंतर्गत 16 नवम्बर से 30 नवम्बर 2026 तक स्व-गणना की प्रक्रिया चलेगी। इसके बाद 1 दिसम्बर से 4 जनवरी 2027 तक प्रगणक घर-घर जाकर जनसंख्या गणना करेंगे। वहीं 5 जनवरी से 9 जनवरी 2027 तक पुनरीक्षण का कार्य किया जाएगा। स्व-गणना के तहत परिवार आधिकारिक पोर्टल पर जाकर अपनी और परिवार की जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे।

मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि स्व-गणना अभियान का प्रचार-प्रसार प्रत्येक ग्राम पंचायत और वार्ड से लेकर मोहल्लों तथा बस्तियों तक किया जाए। इसके लिए ग्राम प्रधानों स्थानीय जनप्रतिनिधियों स्वयं सहायता समूहों आंगनबाड़ी कार्यकताओं और पंचायत सचिवों का सहयोग लिया जाए। साथ ही व्हाट्सएप समूहों सोशल मीडिया स्थानीय समाचार पत्रों और सार्वजनिक स्थलों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाए।

उन्होंने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है। इसके माध्यम से प्राप्त आंकड़े देश और प्रदेश की विकास योजनाओं तथा नीतियों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए आमजन को स्व-गणना की प्रक्रिया और निर्धारित समयावधि की जानकारी सरल भाषा में दी जाए ताकि अधिक से अधिक परिवार इसमें भाग ले सकें। मुख्य विकास अधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनगणना कार्य में लगे प्रगणकों और पर्यवेक्षकों के प्रशिक्षण सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूरी की जाएं। प्रचार-प्रसार की गतिविधियों की नियमित समीक्षा की जाए और उनकी प्रगति फोटोग्राफ एवं वीडियो सहित उपलब्ध कराई जाए।

उन्होंने कहा कि जनगणना-2027 के कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी अधिकारी आपसी समन्वय और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें ताकि निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार सभी गतिविधियां सफलतापूर्वक संपन्न हो सकें। बैठक में संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी एवं जनगणना कार्य से जुड़े अधिकारी मौजूद रहे।

वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान में ग्रामीणों को किया जागरूक



बहजोई/संभल(सब का सपना):- ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और आम नागरिकों को बैंकिंग सेवाओं के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विक्रमपुर तहारपुर एवं अचलपुर ग्राम पंचायत में वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के एलडीओ नितिन कुमार, नाबार्ड के जिला विकास अधिकारी विशाल कंसल, अग्रणी जिला प्रबंधक ललित राय, सीएफएल आरोह, विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबंधक एवं आरसेटी निदेशक सहित करीब 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में आरबीआई के एलडीओ नितिन कुमार ने बैंकिंग सेवाओं, वित्तीय साक्षरता, साइबर सुरक्षा, केवाईसी, म्यूल मनी तथा निष्क्रिय एवं लावारिस बैंक खातों में जमा धनराशि के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने लोगों को बैंक खातों का नियमित उपयोग करने, मोबाइल नंबर लिंक कराने, नामांकन कराने और केवाईसी अपडेट रखने के लिए जागरूक किया। साथ ही लावारिस जमा राशि की जानकारी प्राप्त करने के लिए आरबीआई के पोर्टल के बारे में भी बताया। अग्रणी जिला प्रबंधक ललित राय ने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना की जानकारी दी। वहीं नाबार्ड के जिला विकास अधिकारी विशाल कंसल ने किसान क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से किसानों को मिलने वाली ऋण सुविधाओं के महत्व पर प्रकाश डाला।

आरसेटी निदेशक ने युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी दी।

शिविर में साइबर धोखाधड़ी से बचाव के उपाय बताते हुए लोगों को जागरूक किया गया। अधिकारियों ने बताया कि साइबर ठगी होने पर तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं। इस दौरान ग्रामीणों के केवाईसी अपडेट करने के साथ ही सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में पात्र लाभार्थियों का पंजीकरण भी कराया गया।

धनौरा स्थित निजी अस्पताल में डिलीवरी के बाद महिला की मौत, अस्पताल स्टाफ पर लापरवाही का आरोप





बछरायूं/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के धनौरा क्षेत्र स्थित एक निजी अस्पताल में एक महिला की नॉर्मल डिलीवरी के बाद हालत बिगड़ने के कारण मौत हो गई। इस मामले में मृतक महिला के परिवार वालों ने अस्पताल के स्टाफ पर लापरवाही का आरोप लगाया है जिसको लेकर उन्होंने अस्पताल के बाहर महिला के शव को गाड़ी में रखकर जमकर हंगामा किया। जिसकी सूचना पाकर मौके पर क्षेत्रीय पुलिस भी पहुंच गई। जिसने बमुश्किल परिस्थिति को संभाला।

बता दें कि मंडी धनौरा थाना क्षेत्र के गांव कलाली निवासी महिला की शादी इसी साल फरवरी में जटपुरा गांव के सचिन कुमार से हुई थी। सचिन गाजियाबाद में सैलून चलाते हैं।परिजनों के मुताबिक, महिला को मंगलवार रात करीब 9 बजे डिलीवरी के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बुधवार रात करीब 1 बजे उसने बेटी को जन्म दिया। महिला की मां ने आरोप लगाया कि परिजनों ने डॉक्टरों से ऑपरेशन करने को कहा था, लेकिन डॉक्टर नॉर्मल डिलीवरी कराने पर अड़े रहे।परिजनों का आरोप है कि गुरुवार सुबह 9 बजे महिला की तबीयत बिगड़ी तो उसे 'पैनेसिया' अस्पताल रेफर किया गया। रास्ते में उसकी मौत हो गई। परिजन पहले शव लेकर घर चले गए, लेकिन देर शाम उसे वापस अस्पताल के बाहर लाकर हंगामा किया।अस्पताल संचालक ने आरोपों को बेबुनियाद बताया।

उनका कहना है कि घटना के समय वे निजी काम से बाहर थे। बताया जाता है कि महिला के प्लेटलेट्स और खून की मात्रा पहले से काफी कम थी और उसे तेज बुखार भी था। गुरुवार को धनौरा थाना प्रभारी ने बताया कि इस मामले में परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आगे की कार्यवाही प्रचलित है।

शाश्वत शाखा ने वाल्मीकि बस्ती में बच्चों संग मनाई दीपावली, बांटी मिठाई और पटाखे

बच्चों के चेहरों पर मुस्कान बिखेरकर दिया खुशियां बांटने का संदेश, माताओं को भी किया कार्यक्रम में शामिल





चंदौसी/संभल (सब का सपना):- भारत विकास परिषद की शाश्वत शाखा चंदौसी के तत्वावधान में खुर्जा गेट स्थित वाल्मीकि बस्ती में बच्चों के साथ दीपावली का पर्व हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शाखा के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने बच्चों को पटाखे, फुलझड़ी, मिठाई, बिस्किट और चिप्स के पैकेट सहित अन्य खाद्य सामग्री वितरित की। उपहार पाकर बच्चों के चेहरों पर खुशी और मुस्कान देखने को मिली। बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उनकी माताओं को भी कार्यक्रम में शामिल किया गया। कार्यक्रम के दौरान शाखा अध्यक्ष सीए सचिन गुप्ता ने कहा कि भारत विकास परिषद केवल एक सामाजिक संगठन नहीं, बल्कि सेवा, संस्कार, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना के साथ राष्ट्र निर्माण के संकल्प को लेकर कार्य करने वाला संगठन है। परिषद का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों को आपस में जोड़ना, जरूरतमंदों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना तथा भारतीय संस्कृति और संस्कारों का संवर्धन करना है। शाश्वत शाखा इसी विचारधारा को आत्मसात करते हुए सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। शाखा सचिव डॉ. दुर्गा टंडन ने कहा कि दूसरों के चेहरों पर मुस्कान बिखेरना ही दीपावली मनाने का सच्चा अर्थ है। दीपावली की सार्थकता केवल घरों को रोशन करने में नहीं, बल्कि उन चेहरों पर खुशियां लाने में है, जो अक्सर हमारे उत्सवों से अछूते रह जाते हैं। खुशियां बांटने से ही त्योहार का वास्तविक आनंद मिलता है। ऐसे आयोजन समाज में समरसता, अपनत्व और समानता की भावना को मजबूत करते हैं। प्रत्येक बच्चे को प्रसन्नता, सम्मान और उत्सव में समान भागीदारी का अधिकार मिलना चाहिए। इस दौरान बच्चों के साथ खुशियां साझा की गईं और उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम में अमिता सिंह, डॉ. दुर्गा टंडन, अभिषेक गुप्ता, शीतल, मोनिका, सहज एवं सीए सचिन गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति रही।

मिट्टी के दीपकों और बर्तनों की खरीदारी को लेकर लोगों में दिखा खास उत्साह





बहजोई/संभल(सब का सपना):- दीपावली के पावन पर्व को लेकर गुरुवार को जनपद संभल के बहजोई नगर के बाजारों में जबरदस्त रौनक देखने को मिली। सुबह से ही नगर के बाजारों में खरीदारों की चहल-पहल शुरू हो गई, जो देर शाम तक जारी रही। दीपावली की तैयारियों को लेकर लोगों में खासा उत्साह दिखाई दिया। बाजारों में उमड़ी भीड़ के चलते दुकानों पर दिनभर ग्राहकों का आना-जाना लगा रहा। त्योहार की रौनक से पूरा बाजार दीपावली के रंग में रंगा नजर आया। दीपावली के अवसर पर मिट्टी के दीपक, बर्तन और पारंपरिक सजावटी वस्तुओं की दुकानों पर विशेष चहल-पहल देखने को मिली। लोगों ने अपनी परंपराओं को ध्यान में रखते हुए मिट्टी के दीपक, कुल्हड़, मिट्टी के खिलौने, छोटे-बड़े बर्तन तथा अन्य घरेलू उपयोग की वस्तुओं की खरीदारी की। मिट्टी के बर्तनों की दुकानों पर महिलाओं और पुरुषों की काफी भीड़ दिखाई दी। वहीं बच्चे भी अपनी पसंद के मिट्टी के खिलौने और आकर्षक सामान खरीदते नजर आए। दीपावली पर मिट्टी के दीपक जलाने की परंपरा के चलते लोगों में इनकी खरीदारी को लेकर विशेष उत्साह रहा। इसके अलावा बाजारों में रंग-बिरंगी झालरों, बिजली की लड़ियों, सजावटी सामान, लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियों, खील-बताशे, मिठाइयों और पूजन सामग्री की दुकानों पर भी ग्राहकों की अच्छी भीड़ रही। लोगों ने अपने घरों को आकर्षक ढंग से सजाने के लिए विभिन्न प्रकार की सजावटी वस्तुएं खरीदीं। वहीं महिलाओं ने दीपावली पूजन के लिए आवश्यक सामग्री और घर की सजावट से जुड़ा सामान खरीदा। बच्चों में भी त्योहार को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया।

नगर के प्रमुख बाजारों में दुकानदारों ने भी दीपावली के मद्देनजर अपनी दुकानों को आकर्षक ढंग से सजाया हुआ था। बाजारों में जगह-जगह सजी दुकानों और रंग-बिरंगी रोशनी ने त्योहार की खुशियों को और बढ़ा दिया। ग्राहकों की आवाजाही के चलते दुकानदार दिनभर खरीदारी कराने में व्यस्त नजर आए। मिट्टी के बर्तनों और दीपकों की खरीदारी ने पारंपरिक कारीगरों और छोटे दुकानदारों के चेहरों पर भी खुशी दिखाई दी।

दीपावली का त्योहार भारतीय संस्कृति और परंपराओं का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में लोगों द्वारा मिट्टी के दीपक और पारंपरिक वस्तुओं को प्राथमिकता देना बाजारों में खास आकर्षण का केंद्र रहा। गुरुवार को बहजोई के बाजारों में उमड़ी भीड़ और खरीदारी के उत्साह ने नगर में दीपावली की खुशियों का माहौल बना दिया। देर शाम तक बाजारों में रौनक बनी रही और लोग उत्साह के साथ त्योहार की तैयारियों में जुटे दिखाई दिए।

प्राथमिक विद्यालय शीतल सराय के बच्चों ने गाड़े झंडे

खेलकूद प्रतियोगिता में शीतल सराय स्कूल ने ओवरऑल चैंपियनशिप पर जमाया कब्जा





ढवारसी/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के विकास क्षेत्र गंगेश्वरी की न्याय पंचायत ढवारसी की मिनी शैक्षिक एवं खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन गुरुवार को उच्च प्राथमिक विद्यालय कोकापुर के खेल मैदान में किया गया। प्रतियोगिता में क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्राथमिक विद्यालय शीतल सराय ने ओवरऑल चैंपियनशिप अपने नाम की। प्रतियोगिता का शुभारंभ उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक गंगेश्वरी के अध्यक्ष रामवीर सिंह एवं खेल प्रभारी जयवीर सिंह ने फीता काटकर और हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रामवीर सिंह ने कहा कि खेलकूद हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। खेलों से छात्र-छात्राओं का सर्वांगीण विकास होता है। खेल प्रतियोगिताएं बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास, सहयोग और नेतृत्व की भावना विकसित करती हैं। पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी बच्चों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। इस दौरान 100 मीटर दौड़ में प्राथमिक विद्यालय शीतल सराय की वृक्षा प्रथम तथा संविलियन विद्यालय आदमपुर की वैष्णवी द्वितीय रहीं। 200 मीटर दौड़ में प्राथमिक विद्यालय औगारपुर की गुंजन प्रथम तथा संविलियन विद्यालय आदमपुर की वैष्णवी द्वितीय रहीं। कबड्डी में प्राथमिक विद्यालय शीतल सराय की टीम प्रथम तथा संविलियन विद्यालय आदमपुर की टीम द्वितीय रही।100 मीटर दौड़ में प्राथमिक विद्यालय शीतल सराय के सतवीर प्रथम तथा प्राथमिक विद्यालय दरियापुर तुगन के नेमपाल द्वितीय रहे। 200 मीटर दौड़ में प्राथमिक विद्यालय दरियापुर तुगन के अनमोल प्रथम तथा संविलियन विद्यालय दूल्हेपुर अहीर के प्रसिद्ध द्वितीय रहे। 400 मीटर दौड़ में प्राथमिक विद्यालय शीतल सराय के सतवीर प्रथम तथा संविलियन विद्यालय दूल्हेपुर अहीर के प्रसिद्ध द्वितीय रहे। 400 मीटर दौड़ में प्राथमिक विद्यालय शीतल सराय की टीम प्रथम तथा प्राथमिक विद्यालय दरियापुर तुगन की टीम द्वितीय रही। 100 मीटर दौड़ में उच्च प्राथमिक विद्यालय चंदनकोटा के गोलू प्रथम तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय सांथलपुर के अक्षय गौतम द्वितीय रहे। 200 मीटर दौड़ में संविलियन विद्यालय दूल्हेपुर अहीर के लव प्रथम तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय शीतल सराय के विष्णु द्वितीय रहे। 200 मीटर दौड़ में उच्च प्राथमिक विद्यालय कोकापुर की मनिका प्रथम तथा शना द्वितीय रहीं। खो-खो में उच्च प्राथमिक विद्यालय शीतल सराय की टीम प्रथम रही। कबड्डी में उच्च प्राथमिक विद्यालय सांथलपुर की टीम द्वितीय रही।

प्रतियोगिता में प्राथमिक विद्यालय शीतल सराय के छात्र-छात्राओं ने दौड़, कबड्डी एवं खो-खो सहित विभिन्न स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। ओवरऑल चैंपियनशिप की उपलब्धि पर शिक्षकों एवं उपस्थित लोगों ने विजेता बच्चों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर संकुल शिक्षक बिजेंद्र सिंह, अजय कुमार, एआरपी कमल दीपेंद्र सिंह, वरिष्ठ शिक्षक चंद्रपाल सिंह, हरिओम सिंह, कपिल कुमार शर्मा, थान सिंह, सुधीर चन्द्र कटारिया, विपिन कुमार, कुर्वेन्द्र पवार, अजब सिंह, अमित कुमार, अजय पाल, संदीप कुमार, राजेश कुमार, रजनीश कुमार, सुनील कुमार, अवनेश कुमार गौतम, ललित मोहन त्यागी, सोनू सिंह, अनीता सहित अनेक शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में खेल प्रभारी जयवीर सिंह ने सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं प्रतिभागी बच्चों का आभार व्यक्त किया।

पुलिस ने तीन मिनट में मौके पर पहुंचकर बिछड़े मासूम को परिजनों से मिलाया



बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद में यूपी-112 पुलिस की तत्परता और सूझबूझ के चलते घर से बिछड़े आठ वर्षीय मासूम बच्चे को सकुशल उसके परिजनों से मिला दिया गया। पुलिस की इस मानवीय पहल से बच्चे के परिवार ने राहत की सांस ली और पुलिसकर्मियों का आभार व्यक्त करते हुए उनकी जमकर प्रशंसा की। जानकारी के अनुसार बुधवार को थाना बहजोई क्षेत्र में संचालित यूपी-112 पुलिस पीआरवी को एक इवेंट प्राप्त हुई। कॉलर नवनीत गुप्ता ने पुलिस को सूचना दी कि बहजोई-चन्दौसी रोड पर गंगा एक्सप्रेसवे के नीचे करीब आठ वर्ष का एक बच्चा अकेला खड़ा रो रहा है। बच्चा अपने घर का रास्ता भूल गया है और उसे पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना मिलते ही पीआरवी कर्मियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मात्र तीन मिनट में घटनास्थल पर पहुंचकर बच्चे को अपने संरक्षण में लिया। पुलिसकर्मियों ने बच्चे से प्यारपूर्वक पूछताछ की तो उसने बताया कि वह गलती से ई-रिक्शा में बैठकर अपने घर से दूर आ गया है। वह शाम करीब पांच बजे से गंगा एक्सप्रेसवे के नीचे बैठा हुआ था और घर का रास्ता नहीं जानने के कारण रो रहा था।पीआरवी कर्मियों ने तत्काल बच्चे के संबंध में थाना बहजोई और कंट्रोल रूम जनपद संभल को अवगत कराया। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए बच्चे को अपने साथ लिया और उसके बताए पते के आसपास के क्षेत्रों में परिजनों की तलाश शुरू कर दी। काफी देर तक तलाश करने के बाद पुलिसकर्मियों को बच्चे के पिता मिल गए।

बच्चे के पिता ने पुलिस को बताया कि उनका बेटा शाम पांच बजे से लापता था और परिवार के लोग काफी देर से उसकी तलाश कर रहे थे। इसके बाद पीआरवी कर्मियों ने बच्चे को सकुशल उसके पिता के सुपुर्द कर दिया। काफी देर से परेशान परिजनों ने अपने बच्चे को सुरक्षित देखकर राहत की सांस ली।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई और मानवीय संवेदनशीलता की कॉलर सहित स्थानीय लोगों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की। वहीं बच्चे के परिजनों ने यूपी-112 पुलिसकर्मियों को कोटि-कोटि धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया। पीआरवी कर्मियों की तत्परता से एक बिछड़े मासूम को उसके परिवार से मिलाने का सराहनीय कार्य किया गया।

घर में चोरी का खुलासा, 4 शातिर चोर गिरफ्तार

50,100 नकद व करीब 3 लाख के आभूषण बरामद



अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना अमरोहा नगर पुलिस ने घर में चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए 4 शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से ड्50,100 नकद तथा पीली एवं सफेद धातु के आभूषण बरामद किए गए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 3,00,000 रुपये बताई गई है। घर में चोरी की घटना के संबंध में थाना अमरोहा नगर पर मु0अ0सं0 378/2026 धारा 305(अ) बीएनएस बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया था। पुलिस ने पतारसी-सुरागरसी एवं साक्ष्य संकलन के आधार पर प्रकाश में आए अभियुक्तों को दिनांक 05.11.2026 को गिरफ्तार किया। अभियुक्तों के विरुद्ध मुकदमे में धारा 3(5)/305(अ)/317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी करते हुए उन्हें माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे आपस में योजना बनाकर मकानों की रेकी करते थे तथा रात्रि में मौका पाकर चोरी की घटना को अंजाम देते थे। इनमें से एक व्यक्ति मकान के अंदर जाकर चोरी करता था, जबकि अन्य बाहर रहकर निगरानी करते थे। चोरी में प्राप्त नकदी एवं आभूषणों को बेचकर प्राप्त धनराशि आपस में बांट लेते थे। 50,100 नकद, 05 अदद पाजेब सफेद धातु, 03 सेट गले के आभूषण पीली धातु, 01 अंगूठी पीली धातु, 02 जोड़ी पायल सफेद धातु बरामद हुई है।

पुलिस के अनुसार अभियुक्त जुल्फिकार पर हत्या, लूट की तैयारी, चोरी, आर्म्स एक्ट व एनडीपीएस एक्ट सहित 11 मुकदमे, सलीम पर 5 मुकदमे दर्ज हैं। जैद व राजीव वर्मा का यही पहला मुकदमा प्रकाश में आया है।गिरफ्तार करने वाली टीम में म0उ0नि0 अन्जना चौधरी, हे0का0 512 शाने आलम, हे0का0 316 संजीव धामा, का0 1218 जतिन कुमार, का0 474 अजय कुमार शामिल रहे।

नगीना पुलिस ने चोरी की घटना का किया खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

खेत में बने खोखे का ताला तोड़कर चोरी किया था सामान, चोरी का माल और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद



नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- थाना नगीना पुलिस ने चोरी की एक घटना का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया सामान तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई की जा रही है। पुलिस प्रेस नोट के अनुसार, 2 नवंबर को कुलदीप कुमार पुत्र शेर सिंह निवासी मिलक जहांगीराबाद, थाना धामपुर ने थाना नगीना में तहरीर देकर बताया था कि धामपुर गेट, कस्बा नगीना स्थित उनके खोखे का ताला तोड़कर अज्ञात चोर एक गैस सिलेंडर, छोटी बैटरी, बल्ब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा आदि सामान चोरी कर ले गए हैं। इस संबंध में थाना नगीना पर मु0अ0सं0 351/2026 धारा 303(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने विवेचना के दौरान 4 नवंबर को तीन संदिग्ध आरोपियों सतपाल उर्फ विक्रम पुत्र कृपाराम निवासी ग्राम पिपलो मेहरा कलां, थाना बड़गांव, जनपद सहारनपुर (हाल निवासी रामलीला तिराहा, कस्बा व थाना नगीना), अमित पुत्र बिजेंद्र निवासी ग्राम भगवानपुर, थाना बढ़ापुर तथा पंकज पुत्र सुनील निवासी ग्राम भगवानपुर, थाना बढ़ापुर को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी सतपाल उर्फ विक्रम ने बताया कि उसके खोखे के सामने कुलदीप का खोखा है। कुलदीप के खोखे पर अधिक बिक्री होने के कारण वह उससे रंजिश रखता था। इसी रंजिश के चलते उसने अपने साथी पंकज और अमित के साथ मिलकर चोरी की योजना बनाई। 2/3 नवंबर की रात तीनों खेतों के रास्ते पीछे से खोखे पर पहुंचे और ताला तोड़कर उसमें रखा सामान चोरी कर ले गए। चोरी का सामान तीनों ने आपस में बांट लिया था। पुलिस के अनुसार, आरोपियों की निशानदेही पर चोरी का सामान बरामद किया गया। बरामद सामान में एक गैस सिलेंडर, एक काली रंग की पावर जोन बैटरी, श्री शांतिनाथ जैन सोलर कन्वर्टर, लोहे का तराजू, 810 रुपये नकद, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा, तंबाकू, पान मसाला, एक हथौड़ी, एक छोटी एवं एक बड़ी पाना, साबुन, सर्फ, होल्डर, एलईडी बल्ब, तार तथा तीन मोबाइल फोन शामिल हैं इसके अलावा चोरी की घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल संख्या UP20BY5915 को भी पुलिस ने कब्जे में लेकर धारा 207 एमवी एक्ट के तहत सीज कर दिया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में थाना प्रभारी नगीना महेंद्र सिंह नागर, कांस्टेबल 159 आमोद, कांस्टेबल 66 विवेक, कांस्टेबल 299 सोनू, कांस्टेबल 808 मोहित मलिक, कांस्टेबल 1934 ललित तथा कांस्टेबल 2833 अर्जुन शामिल रहे। पुलिस का कहना है कि मामले में अग्रिम आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

चंडीगढ़ से तस्करी कर लाई जा रही 327 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब बरामद, दो गिरफ्तार

चांदपुर पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने ट्रक से पकड़ी शराब, 3150 रुपये नकद व मोबाइल फोन भी बरामद



बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में अवैध शराब की तस्करी और गैरकानूनी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत चांदपुर पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 327 पेटी गैर-प्रांतीय अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की है। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार करने के साथ 3150 रुपये नकद और एक मोबाइल फोन भी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, पुलिस अधीक्षक बिजनौर के निर्देशन में 4 नवंबर को थाना चांदपुर पुलिस चौकी बवनपुरा पर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने एक ट्रक (UP53ET8866) को चेकिंग के लिए रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान ट्रक में लदे नमक के 650 कट्टों के नीचे छिपाकर रखी गई 327 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब बरामद हुई। ट्रक में नमक के कट्टों के बीच शराब छिपाकर तस्करी की जा रही थी।पुलिस ने ट्रक चालक अनिल कुमार पाण्डेय पुत्र स्व. चन्द्रमा पाण्डेय निवासी ग्राम बदलहा, थाना बड़हलगंज, जनपद गोरखपुर तथा शिशिपाल कुशवाहा पुत्र छोटे लाल कुशवाहा निवासी ग्राम परसौनी, थाना पडरी, जनपद कुशीनगर को गिरफ्तार कर लिया। बरामद शराब चंडीगढ़ में निर्मित बताई गई है, जिसे केवल चंडीगढ़ में बिक्री के लिए अनुमन्य बताया गया है। पूछताछ के दौरान आरोपी अनिल कुमार पाण्डेय ने बताया कि वह ट्रक चालक है और उसके साथ गिरफ्तार शिशिपाल कुशवाहा नमक की फैक्ट्री में काम करता है। शिशिपाल की मुलाकात विकास नामक व्यक्ति से हुई थी। विकास ने शराब से भरा ट्रक निर्धारित स्थान तक पहुंचाने के बदले 20 हजार रुपये तथा ट्रक चलाने के प्रत्येक दिन 500 रुपये खाने-पीने के खर्च के रूप में देने का लालच दिया था। इसके अलावा ट्रक निर्धारित स्थान पर पहुंचाने पर 30 हजार रुपये अतिरिक्त देने की बात कही गई थी। आरोपियों के अनुसार, विकास ने ट्रक में नमक के कट्टों के नीचे शराब छिपाकर रखवाई थी। इसके बाद अनिल कुमार पाण्डेय ट्रक लेकर चंडीगढ़ सेक्टर फेस-2 स्थित पेट्रोल पंप के पास खाली मैदान में पहुंचा, जहां विकास के बताए व्यक्ति ने ट्रक को ले जाकर उसमें शराब की चढ़ाई तथा वापस नमक के कट्टे और ट्रांसपोर्ट कंपनी के कागजात रखवा दिए, ताकि चेकिंग के दौरान किसी को शक न हो। गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध थाना चांदपुर में आबकारी अधिनियम सहित संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी अनिल कुमार पाण्डेय के विरुद्ध पहले से भी आबकारी अधिनियम के तीन मुकदमे दर्ज हैं, जबकि शिशिपाल कुशवाहा के विरुद्ध भी आबकारी अधिनियम के दो मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। इस कार्रवाई में थाना चांदपुर के प्रभारी निरीक्षक सुधीर पाराशर सहित पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम शामिल रही। पुलिस ने बरामद शराब और ट्रक को कब्जे में लेकर मामले की आगे की जांच शुरू कर दी है।

प्रदेश मंत्री बिलाल चौधरी का नहटौर पहुंचने पर किया गया भव्य स्वागत



नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- नहटौर धामपुर मार्ग स्थित डीके बैंक्वेट हॉल के सामने बुधवार को भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के मंडल अध्यक्ष शेख आलम के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश मंत्री बिलाल चौधरी का नहटौर पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान पार्टी कार्यकताओं ने गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत करते हुए उन्हें फूल-मालाएं पहनाईं और पटका पहनाकर उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय स्तर पर पार्टी की मजबूती और आगामी गतिविधियों को लेकर कार्यकताओं में काफी उत्साह देखने को मिला। इसमें बड़ी संख्या में क्षेत्र के स्थानीय कार्यकर्ता और पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर उपाध्यक्ष इरफान मंसूरी, मौ आमिर, जमशीर अहमद, मो मारूफ अंसारी,फैयाज जैदी, अयान अहमद, शमशाद शम्मा, नाजिम, इरशाद, विशाल अहमद और खुर्शीद अहमद सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मदरसा मारफु उल उलुम में दस्तारबंदी का जलसा आयोजित, बच्चों को दीनी और दुनियावी तालीम दिलाने पर दिया जोर



राजा का ताजपुर/बिजनौर (सब का सपना):- क्षेत्र के गांव बिशनपुरा उर्फ बिड़रा स्थित मदरसा मारफु उल उलुम में बुधवार की रात्रि दस्तारबंदी का जलसा आयोजित किया गया। जलसे का शुभारंभ कारी सईदुर्रहमान ने कुरान-ए-पाक की तिलावत से किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हजरत मौलाना शौकत साहब ने की। जलसे को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता हजरत मुफ्ती खालिक मेरठी ने कहा कि इस्लाम मोहब्बत, अमन और भाईचारे का पैगाम देता है। उन्होंने मुस्लिम समाज से अपने बच्चों को दीनी तालीम के साथ-साथ दुनियावी शिक्षा दिलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि शिक्षित बच्चे ही आगे चलकर देश और समाज की तरक्की में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। बच्चों को अच्छी शिक्षा और संस्कार देना हर अभिभावक की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि समाज में फैली बुराइयों से बचने के लिए हमें अपने नबियों की शिक्षाओं और बताए गए रास्ते पर चलना चाहिए। विशेष रूप से झूठ और फरेब से दूर रहकर ईमानदारी के साथ जीवन व्यतीत करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी धर्मों के लोगों को आपसी प्रेम और भाईचारे के साथ रहना चाहिए तथा देश की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए मिलकर काम करना चाहिए। मुफ्ती खालिक मेरठी ने मुस्लिम समाज से बच्चों को सेना, आईपीएस, डॉक्टर और इंजीनियर जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश की सरहदों की सुरक्षा से लेकर चिकित्सा, प्रशासन और तकनीकी क्षेत्र तक हर जगह शिक्षित युवाओं की आवश्यकता है। मदरसों में शिक्षा ग्रहण करने वाले गरीब बच्चों की मदद के लिए समाज के सक्षम लोगों को आगे आना चाहिए, ताकि आर्थिक अभाव के कारण कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि किसी भी जरूरतमंद बच्चे की शिक्षा में आर्थिक परेशानी बाधा नहीं बननी चाहिए, चाहे वह किसी भी धर्म या समाज से संबंध रखता हो। जरूरतमंद बच्चों की मदद करना मानवता और भाईचारे की सच्ची मिसाल है।इस अवसर पर कारी शमशाद अहमद, मुफ्ती शादाब, ग्राम प्रधान दिलशाद अहमद अंसारी, ग्राम प्रधान फुरकान अहमद अंसारी, कारी रियाज, मुफ्ती अकील अहमद सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी से मिले स्कूली बच्चे, साझा की दीपावली की खुशियां



बहजोई/संभल(सब का सपना):- दीपावली के पावन पर्व के अवसर पर गुरुवार को पुलिस कार्यालय बहजोई में डीपी विद्यापीठ स्कूल धनारी के छात्र-छात्राओं ने पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान स्कूली बच्चों ने पुलिस अधीक्षक को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए त्योहार की खुशियां साझा कीं। बच्चों के पुलिस कार्यालय पहुंचने पर पुलिस अधीक्षक ने उनका उत्साहपूर्वक स्वागत किया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने पुलिस अधीक्षक को दीपावली की बधाई दी और त्योहार के अवसर पर अपनी शुभकामनाएं व्यक्त कीं। बच्चों के इस स्नेह और आत्मीयता को देखकर पुलिस अधीक्षक ने भी प्रसन्नता व्यक्त की। पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी ने सभी बच्चों को दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने, जीवन में आगे बढ़ने और अपने माता-पिता व गुरुजनों का सम्मान करने के लिए प्रेरित किया।
इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने बच्चों के साथ आत्मीयता से बातचीत की और उन्हें दीपावली का पर्व आपसी प्रेम, सौहार्द और खुशियों के साथ मनाने का संदेश दिया। पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर छात्र-छात्राओं के चेहरे पर भी खुशी दिखाई दी। इस प्रकार दीपावली के अवसर पर पुलिस कार्यालय में बच्चों और पुलिस अधीक्षक के बीच सौहार्दपूर्ण एवं आत्मीय मुलाकात देखने को मिली।

नजीबाबाद तहसील में भारतीय किसान यूनियन (लोक शक्ति) ने विभिन्न मांगों को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन



नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (लोक शक्ति) के बैनर तले किसानों का एक प्रतिनिधिमंडल तहसील नजीबाबाद पहुंचा, जहां उन्होंने विभिन्न गंभीर समस्याओं और मांगों को लेकर उपजिलाधिकारी (एसडीएम) नजीबाबाद को एक ज्ञापन सौंपा। संगठन के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते किसानों की इन समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो किसानों को बड़े स्तर पर आंदोलन करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। ज्ञापन में प्रमुख रूप से किसानों ने मांग की है कि गन्ने की लागत और मौजूदा महंगाई को देखते हुए गन्ने का न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) 600 प्रति कुंतल घोषित किया जाए, ताकि किसानों को उनकी मेहनत का उचित दाम मिल सके।सड़कों पर गड्ढों के कारण आए दिन होने वाले सड़क हादसों पर रोक लगाने के लिए तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी जर्जर मार्गों की तत्काल मरम्मत कराई जाए। जनपद के सभी गांवों में घूम रहे आवारा एवं छुट्टा पशुओं को शीघ्र पकड़कर गौशालाओं में सुरक्षित संरक्षित किया जाए, जिससे किसानों की फसलों को बचाया जा सके। किसानों के खेतों पर जबरन लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर, एलटी लाइन डालने और किसानों के घरेलू व कृषि बिजली बिलों से संबंधित समस्याओं का स्थाई समाधान किया जाए। क्षेत्र के विकास और जनहित से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी प्राथमिकता के आधार पर त्वरित कार्रवाई की जाए।

भाकियू (अराजनैतिक) के कार्यकताओं ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन



नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के कार्यकताओं ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर धान खरीद के लिए रजिस्ट्रेशन में आ रही रुकावट को दूर करने की मांग की है। चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र किसानों का रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ तो किसान अपना धान एसडीएम कोर्ट में लाकर डाल देंगे। तहसील अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि किसानों का धान कट चुका है, लेकिन बिक्री के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन नहीं हो रहा है। लेखपालों द्वारा किसानों के खसरों में धान की फसल दर्ज नहीं की गई है, जिसके कारण धान बिक्री पंजीकरण में दिक्कत आ रही है। लेखपालों ने बिना खेतों पर जाए खसरों में अन्य फसलें दर्ज कर दी हैं, जिससे किसान अपना धान नहीं बेच पा रहे हैं। ज्ञापन में मांग की गई है कि तुरंत खसरों को सही कराकर पंजीकरण की व्यवस्था दुरुस्त कराई जाए। यदि दीपावली से पहले व्यवस्था नहीं सुधारी गई तो किसान अपना धान धर्मकांटे पर तुलवाकर एसडीएम परिसर में डाल देंगे और अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ जाएंगे, जिसकी समस्त जिम्मेदारी तहसील प्रशासन की होगी। ज्ञापन देने वालों में तहसील अध्यक्ष नरेन्द्र चौधरी, कोतवाली ब्लॉक अध्यक्ष ओमप्रकाश चौधरी, मुकुल त्यागी, राजीव चौधरी, सर्वेन्द्र चौहान, पूरन सिंह, भजन सिंह, सैंपल सिंह, धर्मपाल सिंह, डॉ. देवेन्द्र सिंह, राजपाल सिंह, वीरेन्द्र सिंह, प्रधान जगदीश, महासचिव धर्मपाल चौधरी, ब्लॉक अध्यक्ष बढ़ापुर बिजेन्द्र सिंह, नगर अध्यक्ष कुंवर हर्षवर्धन सिंह, संजीव कुमार, नागेन्द्र सिंह, देवेन्द्र सिंह, पदम सिंह, मंगू सिंह आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

6 नवंबर से शुरू होगा मुफ्त राशन वितरण, किसी भी दुकान से ले सकेंगे खाद्यान्न



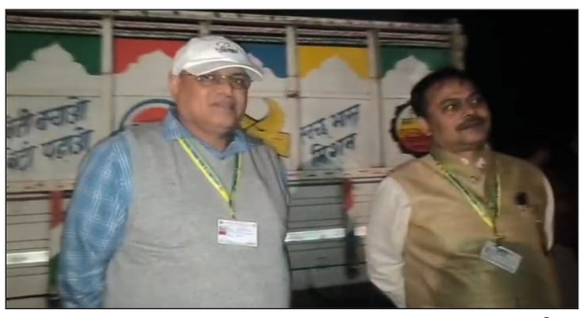
बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के अंतर्गत नवंबर माह के लिए आवंटित खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण 6 नवंबर से शुरू होकर 30 नवंबर तक किया जाएगा। इस संबंध में खाद्यायुक्त महोदय द्वारा जारी निदेशों के अनुपालन में संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समयावधि में राशन वितरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं।
नवंबर माह में अन्त्योदय कार्डधारकों को प्रति कार्ड कुल 35 किलोग्राम खाद्यान्न निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। इसमें 21 किलोग्राम गेहूं और 14 किलोग्राम चावल शामिल हैं। वहीं पात्र गृहस्थी राशन कार्डधारकों को प्रति यूनिट पांच किलोग्राम खाद्यान्न दिया जाएगा, जिसमें तीन किलोग्राम गेहूं और दो किलोग्राम चावल शामिल होगा। सभी लाभार्थियों को निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न पूरी तरह निःशुल्क वितरित किया जाएगा।
राशन वितरण के दौरान उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए पोर्टेबिलिटी ट्रांजेक्शन की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। इसके तहत राशन कार्डधारक अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी उचित दर की दुकान से खाद्यान्न प्राप्त कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें केवल अपने राशन कार्ड से संबंधित आवश्यक प्रक्रिया पूरी करनी होगी। वहीं विभाग की ओर से सभी राशन कार्डधारकों से अपील की गई है कि जिन उपभोक्ताओं ने अभी तक अपने राशन कार्ड में दर्ज यूनिटों की ई-केवाईसी नहीं कराई है, वे तत्काल अपनी नजदीकी उचित दर की दुकान पर पहुंचकर ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी करा लें, जिससे उन्हें नियमानुसार राशन प्राप्त करने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। विभाग ने सभी उपभोक्ताओं से निर्धारित समयावधि के भीतर अपनी राशन सामग्री प्राप्त करने की अपील की है। नवंबर माह के खाद्यान्न वितरण की अंतिम तिथि 30 नवंबर निर्धारित की गई है। इसके बाद निर्धारित अवधि में वितरण की सुविधा उपलब्ध नहीं रहेगी।

बेजुबान गोवंशों की सेवा के लिए आगे आई समिति, प्रशासन से की निगरानी की मांग



बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिले की गौशालाओं में गोवंशों की उचित देखभाल और चारे की पर्याप्त व्यवस्था को लेकर जय श्री कृष्णा देवी सेवा समिति ने जिलाधिकारी से आवश्यक कदम उठाने की मांग की है। समिति की ओर से बुधवार को जिलाधिकारी संभल को संबोधित एक ज्ञापन भेजकर जनपद की सभी गौशालाओं में सीसीटीवी कैमरे लगवाने और उनकी निगरानी सीधे जिलाधिकारी कार्यालय से कराए जाने की मांग उठाई गई है। समिति के पदाधिकारियों का कहना है कि गौशालाओं में गायों की उचित देखभाल नहीं हो पा रही है। पर्याप्त चारा नहीं मिलने के कारण गोवंश कमजोर हो रहे हैं। गौशालाओं में रहने वाले गोवंशों की सुरक्षा, खानपान और स्वास्थ्य की नियमित निगरानी होना बेहद जरूरी है, ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। ज्ञापन में मांग की गई है कि जनपद संभल की सभी गौशालाओं में सीसीटीवी कैमरे लगवाए जाएं और उन्हें जिलाधिकारी कार्यालय से जोड़ा जाए। इससे अधिकारी अपने कार्यालय में बैठकर ही गौशालाओं की गतिविधियों पर नजर रख सकेंगे। साथ ही गौशालाओं की लोकेशन और वहां की व्यवस्थाओं की जानकारी भी प्राप्त कर सकेंगे। समिति का मानना है कि इस व्यवस्था से गौशालाओं में होने वाली लापरवाही पर अंकुश लगाया जा सकेगा और गोवंशों को समय पर चारा एवं बेहतर देखभाल उपलब्ध हो सकेगी। समिति की ओर से जिलाधिकारी से अनुरोध किया गया है कि इस सुझाव पर गंभीरता से विचार करते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाए, जिससे जिले की सभी गौशालाओं में गोवंशों की देखभाल बेहतर ढंग से सुनिश्चित हो सके। इस संबंध में जय श्री कृष्णा देवी सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत स्वामी अश्वनी स्वरूप महाराज उर्फ राजेश कुमार व विकास वार्ष्णेय की ओर से यह मांग उठाई गई है। उन्होंने कहा कि बेजुबान पशुओं की सेवा और उन्हें भोजन उपलब्ध कराना पुण्य का कार्य है। गौवंशों की उचित देखभाल करना समाज और प्रशासन दोनों की जिम्मेदारी है।

NH-9 पर पकड़ा गया 1200 किलो नकली पनीर, JCB से गड्ढा खोदकर दबाया





हापुड़ (सब का सपना):- आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तर प्रदेश के आदेश व जिलाधिकारी हापुड़ के निर्देश पर सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय चन्द्र शेखर मिश्र के नेतृत्व में टीम ने बड़ी कार्रवाई की। बीती 04 नवम्बर को NH-9, छिजारसी टोल प्लाजा हापुड़ के पास वाहन संख्या UP 23 AT 9695 महिंद्रा बोलेरो पिकअप को रोक कर निरीक्षण किया गया। वाहन में 13 प्लास्टिक ड्रमों में लगभग 1100 किलोग्राम व फर्श पर लगभग 100 किलोग्राम पनीर भंडारित कर ग्राम हरियाना, थाना सैदनगली अमरोहा से दिल्ली बिक्री हेतु ले जाया जा रहा था।पनीर अखाद्य बर्फ में गंदे केमिकल इंडस्ट्रीयल ड्रमों में अस्वच्छ स्थिति में गंदे तिरपाल से ढका भंडारित था। पनीर में खट्टेपन के साथ बदबू आ रही थी। मिलावट के संदेह पर पनीर के दो नमूने जांच हेतु संग्रहित किए गए। शेष 1197 किलोग्राम पनीर को JCB द्वारा गड्ढा खोदकर नियमानुसार मिट्टी में दबा दिया गया। नष्ट किए गए पनीर की कीमत 4,18,950 रुपये आंकी गई है। टीम में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज कुमार, खाद्य सुरक्षा अधिकारी सोवेन्द्र सिंह, आर.पी. गंगवार, विपिन कुमार सिंह, मोहित अहलावत व सेहरीश सादात उपस्थित रहे।

जनगणना प्रशिक्षण का डीएम ने किया औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा



फतेहपुर (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने गुरुवार को रानी चन्द्रप्रभा डिग्री कॉलेज, खागा में संचालित जनगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम का औचक निरीक्षण कर प्रशिक्षण व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अचानक प्रशिक्षण केंद्र पहुंचीं जिलाधिकारी ने प्रशिक्षण सत्र में प्रतिभागियों को दी जा रही जानकारी और प्रशिक्षण की प्रक्रिया का बारीकी से अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षकों द्वारा जनगणना से संबंधित विषयों को समझाने के तरीके तथा प्रशिक्षण की गुणवत्ता को परखा। जिलाधिकारी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रगति की जानकारी लेते हुए यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि सभी प्रतिभागियों को जनगणना कार्य से जुड़ी आवश्यक जानकारियां स्पष्ट रूप से उपलब्ध कराई जाएं, ताकि उन्हें अपने दायित्वों के निर्वहन में किसी प्रकार की कठिनाई न हो। उन्होंने प्रशिक्षण की महत्ता को देखते हुए पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया। जिलाधिकारी के निरीक्षण से प्रशिक्षण व्यवस्था में गुणवत्ता और कार्यकुशलता बनाए रखने का संदेश दिया गया।

डी.वी.एम. महाविद्यालय में रंगोली प्रतियोगिता में बिखरे रंग, अनुराधा ने मारी बाजी

विजेताओं को प्रबंधक अमित गुप्ता ने किया सम्मानित



नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- डी.वी.एम. महाविद्यालय, नगीना में छात्र-छात्राओं की रचनात्मक प्रतिभा एवं कलात्मक कौशल को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के बाद आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में स्थान प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा विभिन्न रंगों एवं आकर्षक डिजाइनों के माध्यम से अपनी कला का सुंदर प्रदर्शन किया। भारतीय संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण एवं पारंपरिक कला पर आधारित रंगोलियों ने सभी का मन मोह लिया। रंग-बिरंगी और मनमोहक रंगोलियों से कार्यक्रम स्थल आकर्षक नजर आया। इस अवसर पर प्रतियोगिता संयोजक गरिमा सिंह सहित महाविद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। इनमें साकिब, कैलाश, पंकज प्रताप सिंह, खुर्शीद अहमद, शुमायला, सकीना एवं सोनम शामिल रहे। सभी ने छात्र-छात्राओं की कलात्मक प्रतिभा की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

प्रतियोगिता परिणाम के अनुसार प्रथम स्थान अनुराधा ने, द्वितीय स्थान नीरू एवं सलोनी ने तथा तृतीय स्थान टीना एवं अंजली ने प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में विजेता प्रतिभागियों को महाविद्यालय प्रबंधक अमित गुप्ता द्वारा सम्मानित किया गया।

गुलाबी गैंग लोकतांत्रिक ने सात सूत्रीय मांगों को लेकर डीएम को सौंपा ज्ञापन, आंदोलन की चेतावनी



फतेहपुर (सब का सपना):- जनपद की गंभीर जनसमस्याओं के समाधान की मांग को लेकर गुरुवार को गुलाबी गैंग लोकतांत्रिक की संस्थापक एवं अध्यक्ष हेमलता पटेल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में महिलाओं और क्षेत्रीय लोगों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी को संबोधित सात सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से जल जीवन मिशन की बदहाल व्यवस्था, प्रधानमंत्री आवास योजना में पात्र गरीबों के नाम छूटने, जिंदपुर टोल प्लाजा पर कथित अवैध वसूली, जर्जर सड़कों और बेतरतीब पड़े बिजली के पोलों की समस्या उठाई गई। इसके अलावा पटाखा मंडी में सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त कराने, लाइसेंस के नाम पर कथित अवैध वसूली रोकने, महिला उत्पीड़न के मामलों में त्वरित सुनवाई तथा जिला अस्पताल, मेडिकल कॉलेज और बहुआ पीएचसी समेत अन्य स्वास्थ्य केंद्रों में व्याप्त अनियमितताओं पर रोक लगाने की मांग की गई। संगठन ने आरोप लगाया कि ग्रामीण क्षेत्रों में जल जीवन मिशन के तहत बनी पानी की टंकियां शोपीस बनी हुई हैं और पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़कें बदहाल पड़ी हैं। सुजानपुर एवं बहुआ देहात की पानी की टंकियां चालू कर नियमित जलापूर्ति कराने की मांग भी उठाई गई। हेमलता पटेल ने कहा कि गरीब पात्र परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाया जाए और जनहित से जुड़ी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन कलेक्ट्रेट में व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। इस दौरान राजरानी, सुमन, सतावती, गुड्डी, संयोगिता, संजया, साजदा, रातून, शहकन, उर्मिला सहित बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

जनपद से रकभर्ती में चयनित 51 अभ्यर्थी लखनऊ रवाना, मुख्यमंत्री देंगे नियुक्ति पत्र

एसपी अभिमन्यु मांगलिक ने पुलिस लाइन में किया संवाद, दी बधाई



फतेहपुर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश पुलिस में उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 के अंतर्गत जनपद फतेहपुर से चयनित 51 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम के लिए लखनऊ रवाना किया गया। गुरुवार को पुलिस लाइन फतेहपुर स्थित सम्मेलन कक्ष में पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने चयनित 40 पुरुष एवं 11 महिला अभ्यर्थियों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने सभी को सफलता पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और पुलिस सेवा में कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन, ईमानदारी एवं पूर्ण समर्पण के साथ दायित्वों के निर्वहन के लिए प्रेरित किया।जानकारी के अनुसार उक्त सभी चयनित अभ्यर्थी 6 नवंबर 2026 को लखनऊ में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में सम्मिलित होंगे। समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम के पश्चात एसपी ने सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए लखनऊ के लिए रवाना किया।

थाना बना दलालों का अड्डा, नहीं हो रही सुनवाई



नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- तेजतर्रार और न्यायप्रिय पुलिस अधीक्षक के के बिशनोई के निर्देश पर आधारों पर लगे दलालों के प्रवेश पर रोक के आदेश कि धज्जिया उड़ रही है, थाना आजकल चर्चित दलालों का अड्डा बन कर रह गया है, जहां पीड़ित न्याय के लिए थाने के चक्कर दर चक्कर काटने के बाद भी न्याय नहीं मिल पा रहा है। क्योंकि थाने के दरोगा और सिपाही दललों के साथ मशगूल रहते हैं। दलाली के लिए नगर और जिले भर में चर्चित तथाकथित दलाल प्रवृत्ति के पत्रकार सवेरे होते ही सज धज कर अपनी सेटिंग बाज दरोगा और सिपाही के पास थाना परिसर में अपना डेरा डाल लेते हैं, और उनके साथ गुफ्तगू में मशगुल रहते हैं। इनका डेरा सुबह से लेकर शाम तक जमा रहता है, इतना ही नहीं यह दलाल और तथाकथित पत्रकार दरोगाओ की कुर्सियो पर भी बैठे रहते है और आपस में गुफ्तगू रहते हैं, जिसका प्रभाव थाने में आने वाले पीड़ितों पर पढ़ रहा है। खाने में आने वाले शरीफ इज्जतदार पीड़ित को न्याय पाने के लिए आनेको अनेक चक्कर काटने के उपरांत भी उन्हें न्याय मिलना तो दूर की बात पुलिस उनकी कोई सुनवाई तक नहीं करती, बल्कि अपने चेहेते पसंदीदा दलालों कि बातूनी में मशगूल रहते है,, पीड़ित इंसाफ ना मिलता देख या तो मायूस होकर अपने घर बैठ जाते हैं, या फिर मजबूर होकर दरोगोओ वे पुलिसकर्मियों के साथ बठत,उठने, चलते, फिरते, साथ मे खाते पीते देख तथाकथित दलाल पत्रकारों की शरण में जाने को विवश हो जाते हैं, फिर शरू होता है इन दलालों की दलाली करने का खेल, एक अपलीकेशन दिलाने और देने के नाम पर हजारों हजारों और तो और एक-एक लाख रुपए की वसूली करते हैं, जो थाने से लेकर आम जनता तक सुर्खिय़ों और चचाओं में रहते है। इनकी दलाली के किस्से अखबारों की सुर्खियां भी बनते रहते हैं। फिर भी तथाकथित दलालों से हमसाज रहने वाले दरोगा और पुलिस कर्मी अपने अंदर सुधार लाने का नाम नहीं ले रहे है। तेजतर्रार पुलिस अधीक्षक के के बिश्नोई नगीना थाने में दलाल पत्रकारों से हम साज पुलिस कर्मियों एवं दरगाओ की अपने स्तर से जांच कराकर उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई अमल में लाये, ताकि नगीना थाने में दलालों का पत्ता साफ हो और पीड़ितों को न्याय मिल सके।

नहर कालोनी में भाकियू (महात्मा टिकैत) की बैठक आयोजित, किसानों की समस्याओं को लेकर उठाई मांग



फतेहपुर (सब का सपना):- जिला मुख्यालय स्थित नहर कालोनी परिसर में गुरुवार को दोपहर ढाई बजे भाकियू महात्मा टिकैत के जिलाध्यक्ष मधुसूदन तिवारी के नेतृत्व में बैठक एवं धरना दिया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय महामंत्री रामदत्त मिश्रा मौजूद रहे। इस दौरान कई लोगों को संगठन में शामिल करते हुए माला पहनाकर स्वागत किया गया। राष्ट्रीय महामंत्री रामदत्त मिश्रा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि हर माह 28 तारीख को संगठन की मासिक बैठक होती है, किंतु 28 तारीख को संरक्षक राजू सिंह के पिताजी एवं तेज सिंह के बड़े भाई का निधन हो जाने के कारण सभी पदाधिकारी अंत्येष्टि में गए थे। इस वजह से 28 तारीख की बैठक निरस्त कर आज 5 तारीख को रखी गई है, जिसमें केवल प्रमुख पदाधिकारियों को ही बुलाया गया है और कुछ नए लोगों का संगठन में मनोनयन किया गया है। उन्होंने कहा कि इस समय किसानों के सामने मुख्य रूप से दो ही प्रमुख समस्याएं हैं। पहला, खाद और उर्वरकों की उपलब्धता व कालाबाजारी पर रोक। समितियों और प्राइवेट दुकानों में डीएपी, यूरिया, पोटाश और जिंक पूरी तरह से उपलब्ध कराया जाए। कहीं भी ओवररेटिंग न हो। यदि ओवररेटिंग पाई जाती है तो इसके जिम्मेदार कृषि अधिकारी और एआर होंगे। दूसरा, धान खरीद केंद्रों का संचालन। सरकार ने 1 नवंबर से पूरे प्रदेश में धान खरीद केंद्र चालू कर दिए हैं। यदि कहीं पर भी खरीद केंद्र खुला नहीं पाया जाता है, तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। हम जिलाधिकारी से इसकी मांग करते हैं। राष्ट्रीय महामंत्री ने कहा कि इस समय किसानों की ये दो मुख्य समस्याएं हल कराई जाएं। किसान जब बुवाई से फुर्सत पाएगा, तब अगली लड़ाई और आगे की रणनीति तय की जाएगी।

अनुराग सिंह (नगर अध्यक्ष), राजा शुक्ला / चन्द्रमीन शुक्ला (मंत्री / संगठन मंत्री), मनोज कुमार (संगठन महामंत्री), रामबाबू सविता, (लाला) रहीश अहमद (अध्यक्ष), प्रदीप कुमार सिंह (वीर सिंह का डेरा लरकण्डी), भुवनेश्वर तिवारी (सोशल मीडिया प्रभारी), रामबहादुर पाल (हरनकं), लल्लू सिंह अघोधर (सचिव), सुनील कुमार अवस्थी (सचिव), धरम सिंह यादव, बाबू सिंह यादव (बेंसंडी) (ग्राम अध्यक्ष)। रामदत्त मिश्रा (प्रदेश सचिव / राष्ट्रीय महामंत्री), मधुसूदन तिवारी (जिला अध्यक्ष), कल्लू सिंह मण्डासरय (युवा जिला अध्यक्ष), रिंकी जायसवाल (महिला जिलाध्यक्षा), राजू सिंह (जिला संरक्षक), मोहब सिंह (जिला संगठन मंत्री), अमित तिवारी (जिला उपाध्यक्ष), लक्ष्मी चन्द आर्या, शिव प्रकाश तिवारी (अध्यक्ष), हरीश सविता, दिक्षु प्रजापति, हरिसिंह, अमित पाल मौजूद रहे।

वरिष्ठ पत्रकार नादिर त्यागी के पिता शाकिर हुसैन का इंतकाल, हजारों लोगों ने दी अंतिम विदाई

बिजनौर (सब का सपना):- स्योहारा के मोहल्ला मुस्लिम चौधरियान निवासी पूर्व पालिका इंस्पेक्टर चौधरी शाकिर हुसैन (76) का बीमारी के चलते बुधवार देर शाम निधन हो गया। उनके निधन की खबर से नगर में शोक की लहर दौड़ गई। अंतिम दर्शन के लिए लोगों का उनके आवास पर पहुंचना शुरू हो गया। वह वरिष्ठ पत्रकार नादिर त्यागी के पिता थे। चौधरी शाकिर हुसैन के निधन पर राजनीतिक, सामाजिक, व्यापारिक और पत्रकारिता जगत से जुड़े लोगों ने उनके आवास पर पहुंचकर शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। गुरुवार सुबह 10:30 बजे शाही मस्जिद में उनकी नमाज-ए-जनाजा अदा की गई। इसके बाद मोहल्ला इस्लाम नगर स्थित कब्रिस्तान में उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया गया। इस दौरान हजारों लोगों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। उनके निधन पर चेयरमैन फैसल वारसी, डॉ. मनोज कुमार वर्मा, डॉ. शाश्वत वर्मा, पूर्व विधायक हाजी नईमुलहसन, पूर्व चेयरमैन अख्तर जलील, अरशद जमील, शहर इमाम मौलाना कामिल अंसारी, डॉ. जानिब हाशमी, मौलाना अरशद हक्की, कांग्रेस नेता नासिर चौधरी, बसपा नेता आदिल चौधरी, आमिर चौधरी, इमरान अख्तर उर्फ सनी, भाजपा नेता मुकेश रस्तोगी, डॉ. दानिश कमाल, मनोज भटनागर, नुसरतउल्ला एडवोकेट, असजद चौधरी, मतलूब कामरेड और फरहा परवीन सहित अनेक लोगों ने शोक जताया।

इस अवसर पर प्रेस क्लब स्योहारा के अध्यक्ष शारिक जैदी, पत्रकार अश्विनी विश्नोई, कामिल जैदी, रियाज उल हक, धर्मेंद्र, रईस सिद्दीकी सहित अन्य पत्रकार मौजूद रहे।

त्योहारों को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट, सीओ ने पुलिस फोर्स को किया ब्रीफ





स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराने तथा सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के उद्देश्य से सीओ धामपुर अंजनी कुमार द्वारा पुलिस फोर्स को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए ब्रीफ किया गया। इस दौरान थाना प्रभारी परवेज कुमार एवं नगर पालिका ईओ विजेंद्र सिंह पाल सहित पुलिस बल मौजूद रहा। सीओ अंजनी कुमार ने पुलिसकर्मियों को त्योहारों के दौरान विशेष सतर्कता बरतने, कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए मुस्तैद रहने के निर्देश दिए।



इसके पश्चात पुलिस बल द्वारा नगर के मुख्य बाजारों एवं कस्बे के विभिन्न क्षेत्रों में पैदल गश्त की गई। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया तथा आमजन को सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया। अधिकारियों ने त्योहारों को आपसी भाईचारे, शांति एवं सौहार्द के साथ मनाने की अपील की।

धनतेरस-दीपावली पर फतेहपुर पुलिस अलर्ट, एसपी ने सराफा बाजार में किया पैदल गश्त

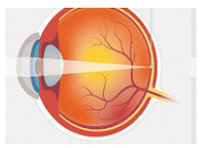
सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा, व्यापारियों से की बातचीत



फतेहपुर (सब का सपना):- आगामी धनतेरस एवं दीपावली पर्व के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने बुधवार को थाना कोतवाली क्षेत्र के सराफा बाजार सहित प्रमुख बाजारों में पुलिस बल के साथ पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। एसपी ने बाजारों में भ्रमण के दौरान भीड़भाड़ वाले स्थानों एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों के आसपास सुरक्षा प्रबंधों का निरीक्षण किया। त्योहारों के दौरान आमजन व व्यापारियों की सुरक्षा तथा सुचारू यातायात व्यवस्था बनाए रखने के दृष्टिगत पुलिस बल को सतर्क एवं सक्रिय रहने के निर्देश दिए। उन्होंने व्यापारियों से भी बातचीत कर सुरक्षा संबंधी सुझाव लिए। पैदल गश्त के दौरान क्षेत्राधिकारी नगर, प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रेसबायोपिया: अपनी उम्र को आंखों की रोशनी के कमजोर होने का कारण न बनने दें

प्रेसबायोपिया या लेंस के सामंजस्य की क्षमता का खत्म हो जाना उम्र के साथ होने वाला सामान्य परिवर्तन है, जोकि लोगों को 40 की उम्र के बाद प्रभावित करता है हालांकि, मोबाइल फोन और इसी तरह के गैजेट्स का प्रयोग करने से कई बार अब यह उम्र से पहले ही नजर आने लगा है। यह नजदीक में केंद्रित कर पाने को कठिन बना देता है, खासकर छोटे अक्षरों और कम रोशनी में। शुरुआती चरण में व्यक्ति फोन या किताब को कुछ दूर तक रख सकता है लेकिन कुछ स्थितियों में, यहां तक कि लंबे हाथों वाले व्यक्ति भी लंबे समय तक मेन्यू के छोटे अक्षरों को नहीं पड़ सकते। साथ ही, नजदीक का काम करने जैसे कढ़ाई या हाथों से लिखने पर उन लोगों को सिरदर्द, आंखों पर दबाव या थकान महसूस हो सकती है। और इसके बाद यह वह स्थिति होती है जब लोगों को मदद की या फिर नेत्ररोग विशेषज्ञ से मिलने की आवश्यकता हो जाती है।



प्रेसबायोपिया का क्या होता है कारण?

जब हम बूढ़े हो जाते हैं, तो लगभग सारी चीजें कठोर या कड़ी होने लगती हैं और हमारी आंखें भी अपवाद नहीं हैं। लेकिन जैसे-जैसे उम्र बढ़ती जाती है, आंखों के लेंस कड़े होने लगते हैं और वे अपना लचीलापन खोने लगता है। इसके परिणामस्वरूप नजदीक की चीजों पर केंद्रित या फोकस करने की क्षमता धीरे-धीरे बिगड़ती चली जाती है, जो प्रेसबायोपिया कहलाता है।

जांच

आपके नेत्ररोग विशेषज्ञ प्रेसबायोपिया की जांच आंखों के विस्तृत परीक्षण के रूप में कर सकते हैं। इसके साथ ही आंखों की अन्य समस्याओं के लिए वे आपके प्रेसबायोपिया की गंभीरता की जांच प्रमाणिक दृष्टि परीक्षण का प्रयोग करके करेंगे।

प्रेसबायोपिया का इलाज

प्रेसबायोपिया को ठीक करने के लिए कोई भी बेहतर तरीका नहीं है। इसमें सुधार का सबसे सही तरीका आपकी आंखों और आपकी जीवनशैली पर निर्भर करता है। आपको अपने नेत्ररोग विशेषज्ञ से अपनी जीवनशैली के बारे में जरूर चर्चा करनी चाहिए, ताकि यह निर्णय लिया जा सके कि कौन-सा सुधार आपके लिए सबसे अधिक उपयुक्त हो सकता है।

चश्मा

बायफोकल या प्रोग्रेसिव लेंस के साथ वाले चश्मे प्रेसबायोपिया में सुधार के लिए सबसे आम होते हैं। बायफोकल का मतलब है, जिसमें दो फोकस होते हैं: चश्मे के लेंस का प्रमुख भाग दूरदृष्टि दोष के सुधार के लिए होता है, जबकि लेंस का निचला हिस्सा निकट दृष्टि दोष की अत्यधिक परेशानी में निकट का काम करने के लिए होता है।

कॉन्टैक्ट लेंस

प्रेसबायोपिया के लिए मल्टीफोकल कॉन्टैक्ट लेंस या मोनोविजन चुना जा सकता है, जिसमें एक आंख में दूरदृष्टि में सुधार के लिए पहना जाता है और दूसरे को निकट दृष्टिदोष के लिए पहना जाता है। इसलिए, यह महत्वपूर्ण है कि आपके आंखों की जांच नियमित रूप से होती रहे, खासकर 50 वर्ष की आयु के बाद।

सर्जरी

प्रेसबायोपिया का उपचार करने के लिए कंडक्टिव कैरेटोप्लास्टी या कॉर्नियल इन-लेज जैसे सर्जरी के विकल्प मौजूद हैं। लेजर का प्रयोग मोनोविजन तैयार करने के लिए किया जा सकता है, जिसमें एक आंख के निकट दृष्टि दोष को ठीक किया जाता है, जबकि दूसरी आंख दूरदृष्टि के लिए मजबूत बनाई जाती है। हाल में प्रेसबायोपिया में सुधार के लिए आए इंट्राऑक्यूलर लेंस के साथ कुछ लोगों में जो मोतियाबिंद की सर्जरी करवाने जा रहे हैं, हो सकता है ताकि वे सभी प्रकार की दूरी में स्पष्ट देखने में सक्षम हो पाएं।

लक्षण

प्रेसबायोपिया धीरे-धीरे विकसित होता है। आप इसके संकेतों और लक्षणों को सबसे पहले 40 वर्ष की आयु के आस-पास देख सकते हैं। अक्षर स्पष्ट नजर आएं इसके लिए पाठ्य सामग्री दूर पकड़कर रखने की आदत।

- डॉ शारदिनी व्यास

लिपस्टिक खरीदते वक्त इन बातों का रखें ध्यान

आपके पास अगर मेकअप करने का ज्यादा टाइम नहीं बचा है, ता आप काजल और लिपस्टिक लगाकर भी अपना लुक कम्पलीट कर सकती हैं। बस, लिपस्टिक लगाते वक्त आपको ख्याल रखना है कि आपके स्किन टोन और कपड़ों से मैच करती हुई लिपस्टिक ही लगाएं। लिपस्टिक खरीदते वक्त ये बातें आपको सही शॉपिंग में मदद करेंगी।

जानें चेहरे के हिसाब से कैसे चुनें शेड



रेड

रेड क्लासिक ब्राइडल कलर है। यह बोल्ड भी है और स्टाइलिश भी। अगर आपने हेवी आई मेकअप नहीं किया है तो आप बोल्ड रेज लिपस्टिक ट्राई कर सकती हैं।

न्यूड

न्यूड लिपस्टिक आपको क्लासिक लुक देगा। फेयर स्किन टोन पर यह काफी सूट करते हैं। इसके अलावा अगर आप चाहती हैं कि आपका आई मेकअप और ड्रेस ज्यादा हाइलाइट हों तो आप न्यूड लिपस्टिक ही चुनें।

पिंक

मीडियम स्किन टोन पर पिंक लिपस्टिक जचती है। यह आपके लुक को एक रोमांटिक टच देता है। पिंक में भी कई तरह के शेड्स अवेलेबल हैं जिनमें से आप अपनी पसंद की लिपस्टिक चुन सकती हैं।

लिपस्टिक पैटर्न का भी रखें खास ख्याल

मैट आपको ड्रैमेटिक और बोल्ड अपियरेंस देता है। अगर आपको पाउट वाले फोटोज खिंचाना पसंद है तो आपको मैट लिपस्टिक ही यूज करें। अगर आपके ड्राई लिप्स हैं तो ग्लॉस का इस्तेमाल करें। अगर आप किसी तरह के फ्लॉ से बचना चाहती हैं तो भी ग्लॉस आपके लिए सही ऑप्शन है।



लिप साइज

सही लिपस्टिक चुनने में लिप का साइज भी अहम है। अगर आपके होंठ पतले हैं तो आपको डार्क कलर्स से बचना चाहिए। वहीं बड़े होठों पर डार्क कलर्स आपके मेकअप में चार चांद लगा देंगे।

आप लिपस्टिक के कई शेड और पैटर्न अमेजॉन, फ्लिपकार्ट, मिंत्रा से भी खरीद सकते हैं। यहां कई बेहतरीन ऑप्शन उपलब्ध हैं।



चना साग

सामग्री

■ चने का साग- 250 ग्राम ■ पालक- 250 ग्राम ■ मेथी के पत्ते- 100 ग्राम ■ मूंग की दाल- 250 ग्राम (बिना छिलके वाली) ■ लहसुन- 5-6 कलियां ■ अदरक- आधा इंच टुकड़ा (कद्दूकस किया) ■ हरी मिर्च- 2 (कटी हुई) ■ हींग- चुटकीभर ■ मक्के का आटा- 2 टेबलस्पून ■ हरी धनिया- बारीक कटी हुई ■ बटर- 1 टीस्पून ■ साबूत लाल मिर्च- 2 ■ नमक- स्वादानुसार ■ तेल- 2 टेबलस्पून

विधि

चने के पत्तों को अच्छे से धोने के बाद काट लें। एक बाउल में मक्के का आटा और पानी मिलाकर अच्छे से मिक्स कर पेस्ट बना लें। फिर एक बाउल में मूंग की दाल को पानी में भिगोकर आधा घंटा रख दें। आधे घंटे बाद पानी से छानकर अच्छे से सूखा लें। इसके बाद प्रेशर कुकर में चने का साग, पालक, मेथी के पत्ते, 2 कप पानी, अदरक, हरा धनिया, नमक और मक्के के आटे का पेस्ट डालकर तीन सीटी आने तक पका लें। अब इसे थोड़ा ठंडा होने दें। फिर मेशर की मदद से मैश कर लें। कढ़ाई में तेल गरम करें। तेल जब गर्म हो जाए, तब इसमें जीरा, लहसुन और हरी मिर्च डालकर एक मिनट तक भून लें। फिर इसमें हींग, लाल मिर्च, मूंग की दाल और मैश किया हुआ साग डालकर लगातार चलाते हुए दो मिनट तक भून लें। इसके बाद इसमें नमक डालकर इसका पानी सुखने तक लगातार चलाते हुए पका लें। फिर इसमें ऊपर से हरा धनिया डालकर मिक्स कर लें और दो मिनट तक पका लें। इसे सर्विंग बाउल में निकालें और ऊपर से बटर डालकर गरमा गरम रोटी के साथ सर्व करें।



मटर कोफ्ते

सामग्री

■ 1 कप मटर के दाने ■ 2 उबले आलू ■ 1 टीस्पून अरारोट या बेसन ■ 1 टुकड़ा कसा हुआ अदरक ■ 1-2 हरी मिर्च ■ नमक स्वादानुसार। ■ 3 मध्यम आकार के टमाटर ■ 2 हरी मिर्च ■ 1 इंच टुकड़ा अदरक ■ 2 टीस्पून तेल या घी ■ 1/2 टीस्पून जीरा ■ 1/2 टीस्पून हल्दी पाउडर ■ 1/2 टीस्पून धनिया पाउडर ■ 2 टीस्पून मलाई ■ लाल मिर्च ■ 1/2 टीस्पून गर्म मसाला ■ बारीक कटा हरा धनिया।

विधि

मटर को उबाल कर दरदरा पीस लें। आलू मैश करें। कोफ्ते की सारी सामग्री को अच्छी तरह मिलाएं। थोड़ी सामग्री अलग करें और बाकी सामग्री से नींबू के आकार के गोले बनाकर तैयार कर लें। कोफ्तों को ब्राउन होने तक तलकर अलग रखें।

ग्रेवी के लिए: टमाटर, हरी मिर्च और अदरक का पेस्ट बना लें। फ्राइंगपैन में तेल डालकर जीरा, हल्दी और धनिया पाउडर डालें। अब मसाले का पेस्ट डालें और उसे तेल छोड़ने तक भूनें। मसाले में मलाई डालकर 2 मिनट भूनें। नमक, लाल मिर्च, गर्म मसाला डालें। ग्रेवी को जितना गाढ़ा करना चाहती हैं, उतना ही पानी डालें। उबाल आने के बाद 2 मिनट तक और पकाएं। ग्रेवी में कोफ्ते डालकर 2 मिनट ढककर रख दें। बारीक कटे हुए धनिये से गार्निश करें। चावल या रोटी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-2-4-6

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा शुभ रहेगी। काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-2-4-6

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। पारिवारिक विवाद टालें। अच्छे समय का इन्तजार करें। शुभांक-1-5-6

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय व प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। शुभांक-3-4-7

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। कर्ज लेने से बचें। शुभांक-3-5-7

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-2-4-6

मकर मे जा जी खी खू खे खो गा गी

मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-1-5-8

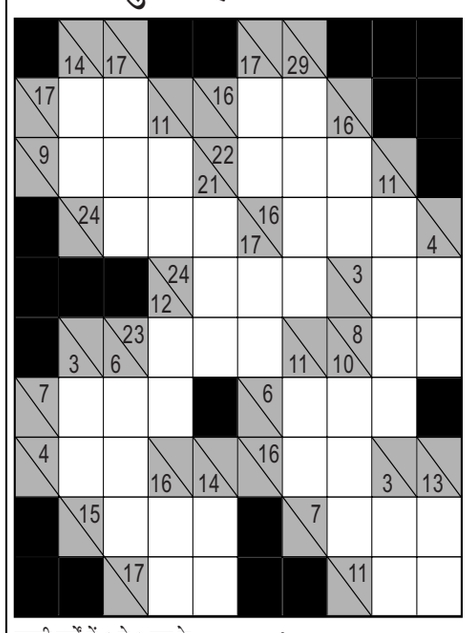
कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-3-5-7

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

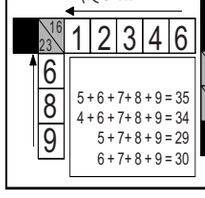
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। --कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 4061

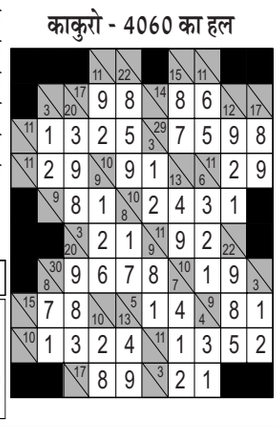


खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



काकुरो - 4060 का हल



लॉफिंग ज़ोन

एक बार चमन अपनी नवविवाहिता पत्नी के साथ फिल्म देखने गया। वहाँ भी उसकी पत्नी हर समय उससे बातचीत में ही लगी रही। तंग आकर उसने इंटरवेल में पत्नी के लिए पान खरीदा और उसे दे दिया।

पत्नी बोली- एक पान तुम भी ले लो?

चमन बोला- मैं तो बिना पान खाए भी खामोश रह सकता हूँ।

□ □ □

चिंटू (चमन से)- क्या तुम बता सकते हो कि एक आदमी नेता बनने के बाद क्या खास काम करता है?

चमन- चुनाव के पहले वह अपना हाथ हिलाता है और बाद में जनता के विश्वास को।

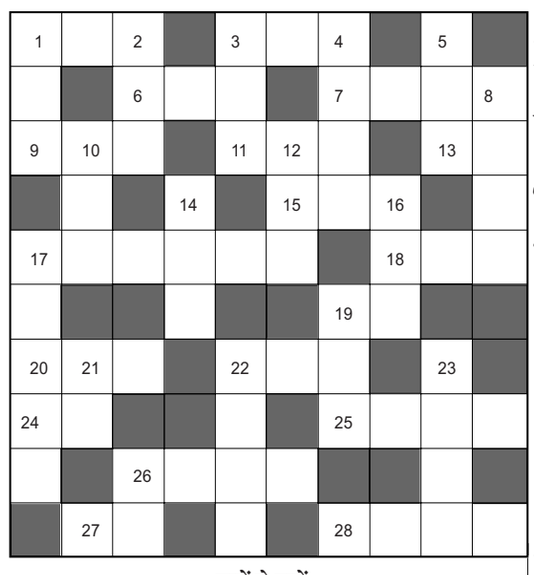
□ □ □

कवि सम्मेलन के दौरान एक व्यक्ति अपने पास की कुर्सी पर बैठे कवि से बोला- कविवर, आपके पास पाँच सौ के छुट्टे है क्या?

कविवर (जिनके जेब में फूटी कौड़ी भी नहीं थी) इत्मीनान से बोले- छुट्टे तो नहीं हैं! किंतु.... यह पूछकर आपने जो मेरा मान बढ़ाया है, उसके लिए मैं आपका बहुत आभारी हूँ।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 4061



बायें से दायें:-

१. अमिताभ, संजीवकुमार, सचिन, हेमा, राखी, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
३. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
७. 'नीले गगन के तले' गीत वाली सुनील दत्त, मुमताज की फिल्म-४
९. 'जुबलीकुमार' राजेंद्रकुमार की पहली फिल्म जिसकी नायिका गीता बाली थी-३
११. अशोककुमार, नादिरा की 'काहे जादू किया मुझको' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुपर हिट फिल्म 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम क्या था-२
१५. कुमार गौरव, शरनाज की 'जिंदगी कब तुम को' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'आजा आजा मैं हूँ प्यार' गीत वाली शम्मीकपूर, आशा की फिल्म-३,३
१८. सतीश कौल, सरिता की बी. आर. इशारा निर्देशित १९७४ की एक फिल्म-३
१९. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम का फिल्म-२
२०. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या कर दिया' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'दुनिया में कितना' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
२४. मनोज बाजपेयी, उर्मिला की जोड़ी वाली रामगोपाल वर्मा की एक फिल्म-२
२५. 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली महीपाल, संध्या की फिल्म-४
२६. विनोद मेहरा, मौसमी की 'तेरे नैनों के मैं दीप' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'हम' में नायिका किमी काटकर के किरदार का नाम क्या था-२
२८. बलराज साहनी, लीला की 'हाये रे वो दिन क्यूं ना' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
३. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा है' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
४. गीफा अवार्ड्स में किस को फिल्म 'रंग दे बसंती' के लिये सर्वश्रेष्ठ संगीतकार का पुरस्कार मिला था-४
५. ओमपुरी, शबाना आजमी, माधुरी की सुधीर मिश्रा निर्देशित फिल्म-३
८. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीना राय की १९९२ की एक फिल्म-४
१०. जिमी, उदय चोपड़ा, इरफान, नम्रता की 'राहें लहरा के हम से' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'रंग और नूर की बारात किसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना की फिल्म-३
१४. मिथुन, सारिका की 'साथी है हम जनमों के' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली रंजन, चित्रा जयश्री की फिल्म-३
१७. मिथुन, चंकी, ऋतुपर्णा, सोमी की 'जब मैंने तेरा' गीत वाली फिल्म-३,२
१९. फिल्म 'बंदिवी' की नायिका कौन थी-३
२१. अजय देवगन, ट्विंकल खन्न की 'बेईमान पिया रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिरोज खान, मुमताज की फिल्म-४
२३. विनोद खन्ना, आमिर, सैफ, अश्विनी भावे, रवीना, नीलम की 'हम बंजारे दिल नहीं देते' गीत वाली फिल्म-४
२६. जितेन निर्देशित मिथुन चक्रवर्ती, राखी, नीता मेहता की १९८६ की एक फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4060



सूडोकु -4061

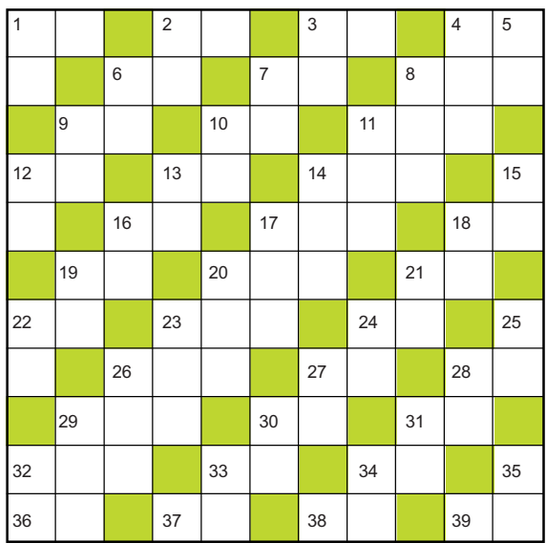
3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4060 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली -4061



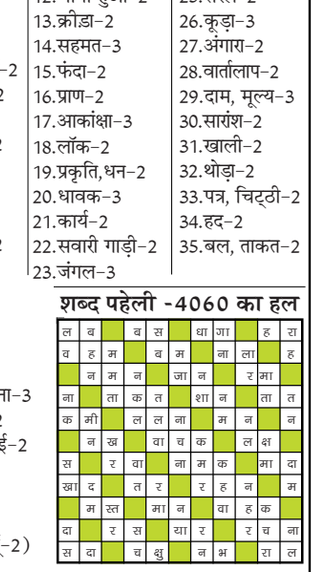
बाएँ से दाएँ

1.बरस,वर्ष-2
2.आफत,मुसीबत-2
3.यमराज-2
4.तीर, बाण-2
6.आनेवाला दिन-2
7.उत्साह-2
8.उचित, सही-3
9.बंधन-2
10.बाण-2
11.उपवन, जंगल-3
12.सरिता-2
13.शिविर, तंबू-2
14.रुई साफ करना-3
16.फंदा, पाश-2
17.भीरु, डरपोक-3
18.तालाब -2
19.सम्मान-2
20.पासों फैंक कर भविष्य देखने की विद्या-3
21.श्याम,काले रंग का-2
22.देह, तन, बदन-2
23.चुनना, छांटना-3
24.रघुवीर, सियावर-2
26.जलजला-3
27.कोलाहल-2
28.अवरोध-2
29.दलदल-3
30.पत्नी का भाई-2
31.रिवाज, रस्म-2
32.कक्ष, रूम-3
33.गधा, गर्दभ-2
34.जनकपुत्री-2
36.वोट, राय-2
37.विजय-2
38.मां का भाई-2
39.मूल्य-2

ऊपर से नीचे

1.परछाई-2
2.दम, ताकत-2
3.यमराज-2
4.सोना, निद्रा लेना-3
5.धूल, मिट्टी-2
6.शारीरिक ऊंचाई-2
7.बल, दम-2
8.पहचानना-3
9.बंधक-2
10.मोमबत्ती (उर्दू-2)
11.विवश-3
12.भीगा हुआ-2
13.क्रीड़ा-2
14.सहमत-3
15.फंदा-2
16.प्राण-2
17.आकांक्षा-3
18.लॉक-2
19.प्रकृति,धन-2
20.धावक-3
21.कार्य-2
22.सवारी गाड़ी-2
23.जंगल-3
24.झगड़ा-2
25.सरल-2
26.कूड़ा-3
27.अंगारा-2
28.वार्तालाप-2
29.दाम, मूल्य-3
30.सारांश-2
31.खाली-2
32.थोड़ा-2
33.पत्र, चिट्ठी-2
34.हद-2
35.बल, ताकत-2

शब्द पहेली -4060 का हल





हॉलीवुड और बॉलीवुड दोनों का अपना महत्व है

हॉलीवुड की मशहूर गेम फ्रेंचाइज 'स्ट्रीट फाइटर' पर बनी फिल्म में विद्युत जामवाल धलसिम के किरदार में दिखेंगे। खास बात यह है कि उन्होंने किरदार मिलने से पहले कभी यह गेम नहीं खेला था। एक बातचीत में उन्होंने इसे लेकर खास चर्चा की और टाइगर श्रॉफ के साथ भी एक फिल्म पर बात की...

कभी 'स्ट्रीम फाइटर' गेम खेला था या ये किरदार मिलने के बाद इससे जुड़े?

यह गेम पहले कभी नहीं खेला था। धलसिम के लिए चुने जाने के बाद इसे खेलना शुरू किया। मैं अलग-अलग पार्टनर्स के साथ रोज गेम खेलता था, ताकि हर किरदार को समझ सकूं। कुछ समय के लिए मुझे इसकी आदत-सी हो गई थी। मेरे लिए धलसिम खास है, क्योंकि वह भारतीय योगी है, जो अपनी सांस को भी ताकत की तरह इस्तेमाल करता है। योग और मार्शल आर्ट्स की दुनिया से मेरा जुड़ाव रहा है, इसलिए इस किरदार से जुड़ना स्वाभाविक था।

फिल्म में फाइट्स रियलिटी से ज्यादा बड़ी हैं। आपकी ट्रेनिंग इसमें कैसे काम आई?

इस फिल्म की दुनिया बहुत अलग है। यहां हर चीज बड़ी है और उसी में इसका मजा है। यह ऐसी फिल्म नहीं है, जिसमें हर एक्शन को बिल्कुल रियल दिखाने की कोशिश की गई हो। इसके किरदारों और उनकी ताकतों में कल्पना का बड़ा हिस्सा है। गेम खेलने वाले दर्शक इसे समझेंगे और एंजॉय करेंगे। जिन्होंने गेम नहीं खेला, उनके लिए भी इसमें मनोरंजन है।

टाइगर श्रॉफ के साथ अपनी नई फिल्म को लेकर कुछ बताएं?

टाइगर और मैं एक फिल्म पर काम कर रहे हैं। उसे जानने के बाद मुझे लगा कि हम दोनों में जो क्षमता है, वह बहुत ज्यादा है। जब यह फिल्म आएगी, तो सच में कमाल हो सकता है। आज तक हमें ऐसा डायरेक्टर नहीं मिला, जो हम दोनों को हमारी काबिलियत से भी आगे ले जा सके। मैं चाहता हूं कि हमारी क्षमताओं को समझकर कोई हमें उस स्तर तक लेकर जाए, जहां दर्शकों को कुछ नया देखने को मिले।

हॉलीवुड और बॉलीवुड में काम की प्रोसेस का कितना अंतर महसूस हुआ?

मेरे लिए दोनों की तुलना करना ऐसा है, जैसे कोई पूछे कि दायां हाथ पसंद है या बायां हाथ। दोनों आपके हैं। दोनों का अपना महत्व है और दोनों का मजा लेना चाहिए। शूटिंग के दौरान भी यही सोचता था कि मार्शल आर्ट्स की वजह से यहां तक पहुंचा हूं। अब इम्तिहान का वक्त है और मुझे अपना बेस्ट करना है।

टाइगर के साथ वाली फिल्म से क्या उम्मीदें लेकर चल रहे हैं?

मेरे लिए जरूरी है कि हम अपनी क्षमता का पूरा इस्तेमाल करें। सिर्फ दो एक्शन स्टार्स का साथ आना काफी नहीं है। फिल्म में ऐसा कुछ होना चाहिए, जो हम दोनों को आगे ले जाए। सही सोच और सही डायरेक्शन मिला तो हम बहुत कुछ कर सकते हैं।





'पेड्डी' में अपने किरदार को 'ऑब्जेक्टिफाई' किए जाने को लेकर जाह्नवी ने की बात

फिल्म 'पेड्डी' में अभिनेत्री जाह्नवी कपूर के किरदार को दिखाए जाने के तरीके को लेकर काफी चर्चा हुई। हाल ही में वरुण धवन के साथ 'कॉफी विद करण' में शामिल होने के दौरान, उन्होंने इस स्पोर्ट्स ड्रामा में अपने किरदार को 'ऑब्जेक्टिफाई' किए जाने को लेकर हुई आलोचना पर खुलकर बात की। आलोचना को खारिज करने या चर्चा से बचने के बजाय, जाह्नवी ने इस मामले को एक अलग नजरिए से देखने का फैसला किया। उन्होंने बताया कि उनके किरदार को लेकर हुई चर्चा से शायद अब उन अभिनेत्रियों के प्रति अधिक संवेदनशीलता आएगी, जो अपने चित्रण के कुछ पहलुओं को लेकर असहज महसूस करती हैं। जाह्नवी ने कहा, 'मुझे खुशी है कि 'पेड्डी' में मेरे चित्रण को लेकर इतना बड़ा मुद्दा बना। शायद अगली बार जब कोई अभिनेत्री कहेगी कि वह असहज है, तो लोग उसे किसी एलियन की तरह नहीं देखेंगे। इस विषय पर बात करते हुए, जाह्नवी ने बताया कि वह इस मुद्दे पर बोलने में थोड़ी हिचकिचा रही थीं, क्योंकि इस प्रोजेक्ट पर कई लोगों ने कड़ी मेहनत की थी। 'धड़क' फेम अभिनेत्री ने कहा, 'मुझे सच में समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहूं या कुछ कहना भी चाहिए या नहीं, लेकिन यह जरूरी था कि जो कुछ भी हुआ, उसमें अपनी जिम्मेदारी मैं खुद लूं। मेरे मन पर इस बात का भारी बोझ था कि इस तरह की चीजों का हमारे समाज पर, खासकर महिलाओं पर, कितना नकारात्मक असर पड़ सकता है। जाह्नवी ने माना कि समाज पर पड़ने वाले संभावित असर को लेकर वह शर्मिंदगी महसूस कर रही थीं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें लगता है कि वह थोड़ी और सतर्क रह सकती थीं। उन्होंने कहा, 'क्या मैं कुछ और कर सकती थी? क्या मैं और ज्यादा सतर्क रह सकती थी? क्या मैं इस पर कड़ा विरोध जता सकती थी? बिल्कुल, हां। क्या यह समस्याजनक था? क्या यह हद से ज्यादा अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने कई बार खुद से यह सवाल पूछा कि क्या उन्हें शूटिंग के दौरान और अधिक मजबूती से विरोध करना चाहिए था। उन्होंने कहा, 'मैं यह कहना नहीं चाहती, क्योंकि ऐसा लग सकता है कि मैं अपना दोष दूसरों पर डाल रही हूं, लेकिन आप जानते हैं कि चीजें कैसे काम करती हैं। हां, डायरेक्टर जो कहते हैं, आपको प्रोफेशनल बने रहना होता है और उनकी बात माननी पड़ती है।' इसलिए, जैसे-जैसे मुझे चीजें पता चलती गईं, मैं अपनी समझ के हिसाब से यही कोशिश कर रही थी कि चीजों को कम से कम समस्याजनक बनाया जा सके।



वामिका गब्बी ने 'प्रहार- द अनटोल्ड.... में प्रोस्थेटिक्स पहनने के अपने अनुभव को साझा किया

अभिनेत्री वामिका गब्बी ने फिल्म 'प्रहार- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ उज्ज्वल निकम' में प्रसिद्ध सरकारी वकील उज्ज्वल निकम की पत्नी ज्योति निकम के किरदार निभाया है। अभिनेत्री ने बातचीत में किरदार निभाने के लिए प्रोस्थेटिक्स पहनने के अपने अनुभव को साझा किया। अभिनेत्री ने बताया कि मेकअप चेयर पर बैठे-बैठे अपने चेहरे को बदलते हुए देखना किरदार को और भी ज्यादा वास्ताविक महसूस करा रहा था। उन्होंने कहा, 'प्रोस्थेटिक्स के बाद जब मैंने खुद को शीशे में देखा, तो कुछ देर तक तो मैं शीशे में खुद को निहारती रह गई। ये एक बहुत ही अजीब एहसास था, क्योंकि मुझे पता था कि वो मैं ही हूँ, लेकिन मैं सामने दिख रहे शख्स को पहचान नहीं पा रही थी। हालांकि, इस पूरे प्रोसेस को मैंने पूरी तरह से इंजॉय किया था।' अभिनेत्री ने आगे कहा, 'मेकअप चेयर पर बैठने के बाद चेहरे को धीरे-धीरे बदलते हुए देखने पर कहीं न कहीं किरदार आपके लिए और ज्यादा असली लगने लगता है। कई बार तो मैं भूल ही जाती थी कि मैं कितनी अलग दिख रही हूं, जब तक कोई मुझे सेट से मेरी फोटो नहीं दिखा देता था।'

वामिका गब्बी ने बताया कि ज्योति निकम का किरदार निभाना उनके लिए एक अलग ही एक्सपीरियंस था। उन्होंने कहा, 'ज्योति निकम का किरदार निभाना मेरे लिए एक बहुत ही अलग अनुभव था और मुझे खुशी है कि मुझे एक्टिंग के उस पहलू को एक्सप्लोर करने का मौका मिला, जिसे मैंने पहले कभी अनुभव नहीं किया था।' ज्योति निकम का किरदार उज्ज्वल निकम (राजकुमार राव द्वारा निभाया गया किरदार) के पेशेवर और निजी जीवन के बीच के तालमेल को दर्शाता है। जब उज्ज्वल निकम देश के सबसे चर्चित मामलों (जैसे 26/11 मुंबई हमले) की कानूनी लड़ाई लड़ रहे होते हैं, तब ज्योति निकम का किरदार उनके पीछे के पारिवारिक दबावों, संघर्ष और मानवीय पहलू को पर्दे पर उतारता है। बताया जाता है कि वामिका गब्बी ने इस किरदार को निभाने से पहले वास्तविक जीवन की ज्योति निकम से मुलाकात की थी, ताकि वह उनके सफर और उनके योगदान को गहराई से समझ सकें।



सैफ स्टारर अगली फिल्म से अलग हुईं प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर भारतीय फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। वह सैफ अली खान के साथ एक नई फिल्म में नजर आने वाली थीं। इस फिल्म का निर्देशन रितेश बत्रा करने वाले हैं। फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है और इसे पुराने समय की कहानी पर आधारित बताया जा रहा है। हालांकि, अब प्रियंका इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'पहले से तय काम और शूटिंग की डेट्स में तालमेल नहीं बैठ पाने के कारण उन्हें इस फिल्म से अलग होना पड़ा है। प्रियंका के इस फिल्म से अलग होने की खबर ऐसे समय में सामने आई है, जब 21 अक्टूबर को मुंबई में इसकी शूटिंग शुरू हो गई है। बताया जा रहा है कि फिल्म बनाने वाली टीम ने डेट्स में बदलाव करने की कोशिश भी की। कोशिश थी कि किसी तरह प्रियंका की व्यस्तताओं और फिल्म की शूटिंग के बीच तालमेल बैठाया जा सके लेकिन दोनों पक्षों की कोशिशों के बाद भी कोई रास्ता नहीं निकल पाया। इसके बाद प्रियंका को फिल्म से अलग होना पड़ा।



इंडो-रशियन ड्रामा फिल्म से इंटरनेशनल डेब्यू करने जा रही हैं सैयामी खेर

अभिनेत्री सैयामी खेर अपनी अपकमिंग इंडो-रशियन ड्रामा फिल्म से इंटरनेशनल डेब्यू करने जा रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि अलग-अलग संस्कृतियों के साथ काम करने से कहानी कहने का एक अलग नजरिया मिलता है। अपने अनुभव को शेयर करते हुए सैयामी खेर ने कहा, 'यह मेरे लिए बिल्कुल अलग और नया अनुभव था। पूरी तरह से विदेशी क्रू के साथ काम करना मजेदार अनुभवों में से एक था। हमने रूस में शूटिंग की और यह पहली बार था जब मैं वहां गई थी।' अभिनेत्री ने मॉस्को की तारीफ करते हुए बताया कि वहां पर काम करने का अनुभव भारत के मुकाबले अलग था। उन्होंने कहा, 'फिल्म का पूरा अनुभव शानदार रहा। वहां काम करने का माहौल मेरे अब तक के अनुभव से काफी अलग था और मुझे इस फिल्म का हिस्सा बनकर बहुत मजा आया। मुझे उम्मीद है कि आने वाले समय में ऐसे कई और इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनूंगी।' उन्होंने कहा, 'भाषा और सीमाओं से परे जाकर काम करना बहुत मजेदार होता है। अलग-अलग संस्कृतियों के साथ काम करने से कहानी कहने का एक अलग नजरिया मिलता है और आपको उन लोगों से सीखने का मौका मिलता है जो अपने-अपने अनोखे अंदाज में सिनेमा को देखते हैं। यह एक शानदार अवसर था जिसका हिस्सा बनकर मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं। हालांकि अभी फिल्म के बारे में ज्यादा जानकारी देना जल्दबाजी होगी लेकिन यह एक ड्रामा फिल्म है जिसके केंद्र में एक मजबूत महिला किरदार है।' कार्तिना एंटरटेनमेंट, व्हाइट नाइट फिल्म्स और विश मीडिया द्वारा निर्मित यह फिल्म एक क्रॉस-कल्चरल सहयोग है, जो एक दमदार ड्रामा के जरिए सिनेमा की सार्वभौमिक भाषा को दर्शाती है। फिल्म का निर्देशन निर्देशक मैक्सिम कुजनेत्सोव कर रहे हैं।

बच्चों की नजर से दुनिया को देखना बेहद खूबसूरत है

एक्ट्रेस रसिका दुग्गल इन दिनों अपनी नई फिल्म 'लिटिल थॉमस' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने हिंदी सिनेमा में फिल्मों के बदलते अंदाज पर बात की और कहा कि आज टेक्नोलॉजी ने फिल्ममेकर्स के लिए कई रास्ते खोल दिए हैं, लेकिन इसके बावजूद रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी सरल कहानियों की अपनी खास अहमियत है। रसिका ने कहा, ''आज टेक्नोलॉजी ने फिल्ममेकर्स को कई तरह की रास्ते दिए हैं। ऐसे में फिल्मों में बड़े स्तर और भव्यता पर जोर देना स्वाभाविक है। लेकिन कभी-कभी इस सबके बीच हम ऐसी कहानी की खूबसूरती भूल जाते हैं, जो सरल हो, लेकिन सतही न हो।'' उन्होंने फिल्म के डायरेक्टर कौशल ओझा के फिल्म बनाने के अंदाज की तारीफ करते हुए कहा कि उनका शांत और सहज तरीका उन्हें दूसरों से अलग बनाता है। उनकी कहानी कहने के अंदाज में एक अलग तरह का भरोसा नजर आता है। उनकी फिल्मों को दर्शकों से जुड़ने के लिए किसी भव्य सेट या उलझी हुई कहानी की जरूरत नहीं होती। एक्ट्रेस ने आगे कहा, ''कहानी कहने के उनके अंदाज में यह भरोसा है कि किसी फिल्म को दर्शकों से जुड़ने के लिए हमेशा भव्य माहौल या पेचीदा कहानी की जरूरत नहीं होती। कभी-कभी सबसे साधारण विचार ही सबसे दिलचस्प कहानियां बन जाते हैं, क्योंकि वे जिंदगी के हमारे अपने अनुभवों और नजरिए को दिखाते हैं।'' रसिका ने कहा, ''फिल्म 'लिटिल थॉमस' में एक बच्चे की जिज्ञासा और भाई-बहन की चाहत के जरिए परिवार, बचपन, शादीशुदा जिंदगी के उतार-चढ़ाव और लिबरलाइजेशन के बाद के भारत की कहानी दिखाई गई है। फिल्म में थॉमस नाम का एक बच्चा यह जानना चाहता है कि बच्चे कहां से आते हैं। साथ ही, वह अपने लिए एक भाई या बहन भी चाहता है। उसकी यही जिज्ञासा कहानी को आगे बढ़ाती है।'' रसिका ने कहा, ''मुझे लगता है कि इन सभी बातों को एक बच्चे की नजर से देखना बेहद खूबसूरत है। यह हमें याद दिलाता है कि हमें बच्चों की जिज्ञासा को कम नहीं आंकना चाहिए और न ही उनके सवालों को नजरअंदाज करना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि हम ऐसी फिल्में बनाते रहेंगे, जो अपने विचारों की ताकत पर भरोसा करती हैं और रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी साधारण कहानियों को भी अपनी जगह देती हैं।'' कौशल ओझा के निर्देशन में बनी 'लिटिल थॉमस' को अनुराग कश्यप का समर्थन मिला है। फिल्म में रसिका दुग्गल के साथ गुलशन देवैया और हृदांश पारेख भी अहम भूमिकाओं में हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।